● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 310, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार , 29 दिसम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

# विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

मैं थोड़ी राजनीति समझने लगा हूँ: केजरीवाल 5

आस्ट्रेलिया में नीतीश कुमार ने जड़ा शतक 6

## मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन, बेटी ने मुखाग्नि दी

### राहुल शव यात्रा में साथ आए, कंधा दिया, पीएम, सोनिया-प्रियंका मौजूद रहीं

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके पार्थिव शरीर को सेना की तोपगाड़ी पर दिल्ली के निगमबोध घाट लाया गया। यहां तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

मनमोहन की पत्नी गुरशरण कौर, बड़ी बेटी उपिंदर सिंह (65), दूसरी बेटी दमन सिंह (61) और तीसरी बेटी अमृत सिंह (58) निगमबोध घाट पर मौजूद थीं। परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की। बेटी ने मुखाग्नि दी।

निगमबोध घाट में सोनिया, प्रियंका, राहुल और कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी,

रक्षा मंत्री राजनाथ भी उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे।

डॉ. मनमोहन सिंह की पार्थिव देह को सुबह 9:30 बजे उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया था। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। राहुल गांधी पार्थिव देह के साथ गाड़ी में बैठे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली एम्स लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली।

अंतिम सफर के दौरान भी डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था।

अंतिम सफर के दौरान भी डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में गुरुवार रात निधन हो गया। उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान लाया गया था। उनके निधन की खबर सुनकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे नेता एम्स पहुंचे। यहां से मनमोहन की पार्थिव देह को उनके आवास ले जाया गया।

मनमोहन सिंह के आवास पर उनकी पार्थिव देह के दर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे। उन्होंने मनमोहन के परिवार से भी मुलाकात की। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी आप के संयोजक केजरीवाल ने भी मनमोहन को श्रद्धांजलि दी। पाकिस्तान के चकवाल जिले में स्थित मनमोहन के पैतृक गांव गाह में भी लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

## उर्वरकों की समय रहते उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं: डॉ. यादव

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की प्रदेश में उर्वरक प्रबंधन की समीक्षा

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यूरिया, डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों की समय रहते उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए गौवंश आधारित जैव उर्वरकों के उपयोग को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाए। कृषक, पारम्परिक अनुभव और स्वयं की पहल पर बड़े पैमाने में जैविक खाद का उपयोग कर रहे हैं। यह मिट्टी की गुणवत्ता और धरती की सेहत के लिए भी लाभप्रद है। उपयोग की जा रही जैविक खाद की मात्रा की गणना और दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है। इस आधार पर प्रदेश में जैविक खाद के उपयोग को बढ़ाने के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करने का मॉडल विकसित किया जाए। राज्य की यह पहल अन्य प्रदेशों के लिए भी अनुकरणीय होगी। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए जैविक तथा प्राकृतिक खाद जैसे विकल्प किसानों को उपलब्ध

कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में उर्वरक प्रबंधन की समीक्षा के दौरान यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री के समत्व भवन में हुई बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को फसल चक्र के अनुसार समय रहते उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए उर्वरक वितरण के प्रमुख केन्द्रों पर अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए कार्य योजना विकसित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में फसलों की बुवाई लगभग 97 प्रतिशत है। वर्तमान वर्ष में यूरिया, एन.पी.के., एस.एस.पी और एम.ओ.पी. उर्वरकों की उपलब्धता गत चार वर्षों में सर्वाधिक है। वर्तमान तक उपलब्ध 35 लाख 68 हजार मीट्रिक टन में से 32 लाख मीट्रिक टन से अधिक यूरिया का वितरण हो चुका है।

## गहलोत सरकार में बने नौ जिले और तीन संभाग खत्म

**जयपुर।** भजनलाल कैबिनेट ने शनिवार को बड़ा निर्णय लेते हुए गहलोत सरकार में नवगठित जिलों में से नौ जिले और तीन संभाग खत्म कर दिया है। इस निर्णय के बाद राजस्थान में कुल जिलों की संख्या 50 से घटकर 41 रह गई है। यह निर्णय वित्तीय संसाधनों के उचित उपयोग और जनसंख्या के संतुलन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि नए जिलों और संभागों के गठन में कई व्यवहारिक समस्याएं थीं। जैसे कि पर्याप्त तहसीलें न होना, पद सृजन और कार्यालयों की व्यवस्था की कमी। समीक्षा समिति ने इन जिलों की

उपयोगिता को लेकर स्पष्ट निष्कर्ष निकाला, जिससे यह निर्णय लिया गया। बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, कोटपूतली-बहरोड, खैरथल-तिजारा, फलौदी और सलूंबर। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ और सांचौर। सीकर, पाली और बांसवाड़ा संभाग को खत्म किया गया।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया, समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) के स्कोर को तीन साल तक मान्य रखने का फैसला भी सराहनीय है। यह छात्रों को राहत देगा और प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अधिक अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थियों को जोड़ने का अभियान समाज के वंचित वर्गों के लिए सकारात्मक कदम है। जोगाराम पटेल बोले, गहलोत शासन के दौरान नए जिलों और संभागों के गठन को लेकर उठाए गए कदमों की आलोचना भी स्वाभाविक है।

## पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का राजघाट पर ही बने स्मारक: अखिलेश

**लखनऊ।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ निगम बोध घाट पर हुआ। उनके निधन पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दुख व्यक्त किया। साथ ही स्मारक बनाने को लेकर उठे विवाद में भी उनका बयान सामने आया है। अखिलेश ने कहा कि राजघाट पर ही उनका स्मारक बनना चाहिए। सपा मुखिया ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की समाधि के संदर्भ में सम्मान की परंपरा का निर्वहन होना चाहिए।

## इस्राइल ने पहली बार थाड सिस्टम का किया इस्तेमाल

**तेल अवीव।** शुक्रवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। हालांकि इस्राइल ने हवा में ही इस मिसाइल को इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। गौरतलब है कि इस मिसाइल हमले को इस्राइल ने अमेरिका के थाड सिस्टम से रोका। यह पहली बार है, जब इस्राइल ने अमेरिकी हवाई सुरक्षा सिस्टम का इस्तेमाल किया। अमेरिका ने अक्तूबर में ईरान के हमले के बाद इस्राइल में थाड सिस्टम को तैनात किया था।

यमन के मिसाइल हमले के खिलाफ टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम के इस्तेमाल

का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक अमेरिकी सैनिक वीडियो क्लिप में कहते हुए सुनाई दे रहा है कि 18 वर्षों तक हमने इस पल का इंतजार किया है। इस्राइली सेना ने कहा कि हूती विद्रोहियों की तरफ से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही इंटरसेप्ट कर दिया गया। हालांकि इस्राइली सेना ने ये नहीं बताया कि इस हूती विद्रोहियों के इस हमले को इस्राइली डिफेंस सिस्टम से या फिर अमेरिका के थाड सिस्टम से तबाह किया गया।

अक्तूबर में जब ईरान ने इस्राइल पर मिसाइल हमला किया था तो अमेरिका ने उस वक्त इस्राइल की सुरक्षा के लिए वहां थाड सिस्टम तैनात किया था। हालांकि इस्राइली डिफेंस सिस्टम पहले ही काफी मजबूत माना जाता है। वहीं बीते दिनों में इस्राइल ने भी यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया। गुरुवार को यमन के सना हवाई अड्डे पर भी हमला हुआ।

## महिला सम्मान योजना के जांच के आदेश पर भड़के केजरीवाल

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने महिला सम्मान योजना की जांच के आदेश दिए हैं। इसे लेकर अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला है। केजरीवाल का कहना है कि भाजपा दिल्ली में महिला सम्मान योजना रोकना चाहती है। ये आदेश एलजी ऑफिस से नहीं, अमित शाह के ऑफिस से आया है। भाजपा महिलाओं का सम्मान नहीं करती है। भाजपा दिल्ली चुनाव में हार मान चुकी है। दिल्ली में महिला सम्मान योजना को महिलाओं का पूरा समर्थन मिल रहा है।

## पूर्व सिपाही की पत्नी ने गरबा के लिए खरीदा था 14 लाख का लहंगा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर एजेंसियों का शिंकजा कसता जा रहा है। एजेंसियों की जांच में नए नए खुलासे हो रहे हैं। एजेंसियों को अब सौरभ के घर से अहमदाबाद से खरीदे गए 14 लाख रुपए के लहंगा के कागज मिले है। जानकारी के अनुसार यह लहंगा सौरभ की पत्नी दिव्या शर्मा उर्फ दिव्या तिवारी ने अहमदाबाद से खरीदा था। अब एजेंसियां इस मामले में दिव्या से पूछताछ करेगी। सौरभ और उसके ठिकानों पर एजेंसियों को कई अहम दस्तावेज मिले है।

सौरभ शर्मा और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर शुक्रवार को ईडी ने कार्रवाई की थी। इस दौरान ईडी नकाब में एक युवक और युवती को साथ ले गई थी। बताया जा रहा है कि नकाब में चेतन सिंह गौर है। इसकी निशानदेही पर ही अब ईडी कार्रवाई कर रही है। हालांकि अभी आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। एजेंसी को छापेमार कार्रवाई में कई दस्तावेज मिले है।

## 2029 तक डाक विभाग को मुनाफे में लाने का प्लान

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ इंडिया पोस्ट के मुनाफा कैसे बढ़े, इस पर चर्चा की। एक बयान के अनुसार, सिंधिया और डाक विभाग की उनकी टीम ने 2029 तक विभाग को मनाफे में लाने के लिए अपनी पूंजीगत व्यय मांगों को वित्त मंत्री के सामने रखा। बैठक में मंत्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट के लिए एक नई विकास योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विभाग लागतों को युक्तिसंगत बनाने और अधिकतम प्रक्रियाओं

वित्त मंत्री से मिल सिंधिया ने रखा प्रस्ताव

को डिजिटल बनाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। सिंधिया ने दोहराया कि उनका उद्देश्य विभाग को ग्राहक संतुष्टि पर ध्यान देने के साथ लाभ कमाने वाली लॉजिस्टिक्स कंपनी बनाना है। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे चल रही बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग (बीपीआर) कवायद को वित्त मंत्रालय के निवेश से बहुत फायदा होगा। बैठक में, सिंधिया ने बताया कि हमारे पूंजीगत व्यय के लिए वित्त मंत्रालय से निवेश के साथ, हम देश भर में डाकघरों के बुनियादी ढांचे के विकास और नवीनीकरण के साथ-साथ कर्मचारियों के आवास क्वार्टरों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग प्रक्रियाओं को कुशल और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए स्वचालन की दिशा में काम किया जाएगा। मंत्री सिंधिया ने 2007 में डाकघरों के स्वरूप और अनुभव को मानकीकृत किया और डाक सेवकों को कार्यालय उपकरण प्राप्त करने में मदद की थी।

## इंदौर में शुरू हुआ ऊर्जा साक्षर सिटी अभियान

**इंदौर।** सफाई में लगातार सात बार नंबर 1 बनने के बाद इंदौर ने अब शुद्ध आबोहवा का अभियान शुरू किया है। शुरुआत 100 दिन और 5 लाख लोगों के सहयोग से होगी। उद्देश्य-कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना। सौ दिनी इस अभियान के तहत हर घर में बिजली की खपत में 10 फीसदी की कमी लाने और 5 लाख लोगों को ऊर्जा साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ऊर्जा साक्षर सिटी बनाने के इस अभियान की शुरुआत 1 दिसंबर 2024 को हो गई है। शनिवार को राजधानी दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा,इंदौर के लोग जनभागीदारी में आगे हैं। क्लाइमेट मिशन को भी वे आत्मसात कर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रयास करेंगे। नगर निगम भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए लगातार अभियान भी चलाए जा रहे हैं। हम कचरे की कमी, जल संरक्षण और स्थाई व्यवहार में परिवर्तन कर शहर में बिजली की खपत दस प्रतिशत तक कम करेंगे। उन्होंने कहा कि इंदौर में इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जगह-जगह नगर निगम ने चार्जिंग स्टेशन बनाए हैं।

## यात्रियों की मदद करेगा रेलवे का कुंभ रेल सेवा एप

**प्रयागराज।** महाकुंभ को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने इस बार एक नई पहल की है। यात्री सुविधा के मद्देनजर रेलवे ने कुंभ रेल सेवा एप बनाया है। इसकी मदद से यात्रियों को महाकुंभ से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां हिंदी व अंग्रेजी भाषा में मिल सकेंगी। रेलवे के इस एप में ट्रेनों की समय सारिणी, टिकट बुकिंग, स्टेशन से मेला क्षेत्र तक पहुंचने का मार्ग और रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा महाकुंभ के प्रमुख धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक स्थलों की भी जानकारी उपलब्ध होगी।

इस एप में आपातकालीन संपर्क नंबरों की भी जानकारी उपलब्ध होगी।

## पीड़िता को 25 लाख का मुआवजा देने का निर्देश

**चेन्नई।** मद्रास हाईकोर्ट ने शनिवार को अन्ना विश्वविद्यालय में कथित दुष्कर्म और प्राथमिकी लीक मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की महिला अधिकारी शामिल हैं। जस्टिस एस.एम. सुब्रमण्यम और जस्टिस वी. लक्ष्मी नारायणन ने एसआईटी का गठन किया। इसमें स्नेहा प्रिया, अयमान जमाल और बृंदा जैसी महिला आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। एसआईटी को दोनों मामलों की जांच सौंपी गई है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि वह प्राथमिकी लीक होने से पीड़िता को मानसिक आघात के लिए 25 लाख रुपये का मुआवजा दे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय पीड़िता को निशुल्क शिक्षा, छात्रावास, रहने की सुविधा और काउंसलिंग प्रदान करे, ताकि वह अपनी पढ़ाई जारी रख सके। कोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से यह सुनिश्चित करने को कहा कि भविष्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से जुड़े मामलों की प्राथमिकी लीक न हो। कोर्ट ने इस मामले पर दो जनहित याचिकाओं (पीआईएल) का निपटारा किया।

## मप्र के कई जिलों में झमाझम बारिश और पड़े ओले

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सिस्टम एक्टिव होने से झमाझम बारिश का दौर जारी है। शनिवार को राजधानी भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश के साथ ओले भी पड़े। लगातार दूसरे दिन मावठा गिरा। जिससे फसलों को नुकसान होने की खबरें आई हैं। बारिश के चलते जबलपुर, रीवा, रायसेन, खंडवा और उमरिया समेत कई शहरों की मंडियों में रखे अनाज भीग गए। रीवा में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई यहां 9 घंटे में 4.2 इंच बारिश हो गई।

शनिवार को रीवा में सबसे ज्यादा 9 घंटे में 4.2 इंच बारिश दर्ज की गई। उमरिया में 2.2 इंच, नर्मदापुरम में 1.7 इंच, बैतूल व जबलपुर में 1.2 इंच और

मंडियों में रखा अनाज भीगा, रीवा में 4.2 इंच बारिश

नरसिंहपुर में 1.1 इंच पानी गिरा। इसके अलावा भोपाल, खजुराहो, नौगांव, सतना, टीकमगढ़, दमोह, सीधी, खंडवा, पचमढ़ी, सागर, रायसेन, धार, इंदौर, मंडला में भी बारिश हुई। मंदसौर, नीमच, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना और श्योपुर जिले में भी कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई।

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के लिए अलर्ट जारी किया जिसके अनुसार नर्मदापुरम के पचमढ़ी, नरसिंहपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, सतना, पन्ना, सिवनी, दमोह, पांढुर्णा और जबलपुर में ओले गिरने की संभावना व्यक्त किया है। यहां 50 किमी या इससे अधिक रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। कटनी, छतरपुर, सिंगरौली, सीधी, उमरिया, बुरहानपुर, रायसेन, खंडवा, देवास, हरदा, सागर, खजुराहो, रीवा, मऊगंज, चित्रकूट, मैहर, शहडोल, अनूपपुर के अमरकंटक, मंडला और डिंडौरी में भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

बारिश के साथ प्रदेश ठंडी हवाएं भी चलीं सबसे ज्यादा भिंड में 62 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। शाजापुर में 56, सीहोर में 54, जबलपुर में 37, बड़वानी में 36, गुना-सागर में 34, उज्जैन में 32, अशोकनगर-छिंदवाड़ा में 30, आगर-मालवा में 28 और खंडवा-सिवनी-सतना में हवा की गति 26 किमी प्रति घंटा रही।

मौसम विभाग कि सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। वहीं, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से हवा नमी लेकर आ रही है। जिसकी वजह से प्रदेश में ओले और बारिश का दौर शुरू हो गया है। अगले 24 घंटे भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। 1 जनवरी से तेज सर्दी का दौर शुरू हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि आज नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा समेत 12 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट है। जबकि 40 से 50 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन समेत 25 जिलों में हल्की बारिश, बादल छाए रहेंगे।

# सरगना बच्चों से दिन में कराता था रैकी, आधी रात को चोरी, गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

**सोने-चॉदी के जेवरात बरामद, विध्यनगर थाना क्षेत्र के चार घरो में चोरी की घटना को दिया था अंजाम, पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, फरार तीन चोरो की तलाश जारी**

**सिंगरौली।** दिनमान में नाबालिक बच्चो से रैकी कराकर रात में घरो में चोरी करने वाले गिरोह के सरगना समेत चार चोरो को विंध्यनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे करीब 11 लाख कीमत के सोने-चॉदी के जेवरात को जप्त कर बड़ी सफलता हासिल की है।

एसपी ने आज विंध्यनगर थाना क्षेत्र में हुई चार चोरियों का खुलासा करते हुये पत्रकारो को बताया कि पिछले दिनों 26 दिसम्बर को फरियादी सतीश प्रसाद ने विंध्यनगर थाना में रिपोर्ट किया कि 18 दिसम्बर को अल सुबह 4 बजे घर से बाहर गया था। पड़ोसियों से पता चला कि घर में चोरी हो गई है। आलमारी में रखे सोने-चॉदी के आभूषण, चेक बुक, आधार कार्ड, पासबुक भी उठा ले गये थे। फरियादी की इस रिपोर्ट को टीआई अर्चना द्विवेदी ने एसपी को जानकारी दी। जहां एक विशेष टीम गठित कर जांच एवं खोजबीन तथा चोरी घटना की पतासाजी शुरू करते हुये चोरो के तलाश में जुट गई। इस बीच सीसीटीव्ही फुटेज खगालने का कार्य शुरू हुआ और एक चोरी के दौरान गिरोह के एक सदस्य को चेहरे में व सर में चोट लग गई थी और उसने अपना मास्क उतार दिया था। मास्क उतारने के समय उसका चेहरा सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गया और यही से पुलिस को अहम सुराग मिला। पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर शातिर चोर व संदेही कादर उर्फ रोहित शाह पिता सुरेश शाह उम्र 26 वर्ष निवासी जमुआ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया। जहां उसने अन्य गिरोह के सदस्यो का नाम उजागर करते हुये चार चोरियों का खुलासा कर दिया। विशेष पुलिस टीम ने अन्य आरोपियों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू करते हुये उनके कब्जे से 145 ग्राम सोने के जेवरात व सिक्के, 1 किलो चॉदी, घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल एवं घटना में इस्तेमाल करने वाले सब्बल बरामद करते हुये जप्त कर लिया गया। एसपी ने आगे बताया कि चोरी की घटना को अंजाम देने वालों में कादिर उर्फ रोहित के अलावा अश्वनी सोनी निवासी बैढ़न, दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया गया है। तीन फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

## चार चोरियों का हुआ खुलासा, नाबालिको की भूमिका अहम

एसपी के अनुसार विंध्यनगर थाना क्षेत्र में जुलाई से अब तक चार चोरियों का खुलासा हुआ है। पहली चोरी जुलाई महीने में एनटीपीसी के अन्दर अच्छेलाल पटेल के घर, दूसरी चोरी 13 नवम्बर को ढोटी रोड दिनेश जायसवाल, तीसरी चोरी 8 दिसम्बर को ढोटी मुख्य मार्ग महावीर नागर के घर एवं चौथी चोरी 18 दिसम्बर को सतीश प्रसाद के घर चोरी कर सोने-चॉदी के जेवरात उठा ले गये थे। एसपी के अनुसार गिरोह का मुख्य सदस्य रोहित के विरूद्ध बैढ़न व माड़ा थाने में 8 अपराध दर्ज है। वही बाल अपचारियों पर भी एक-एक अपराध दर्ज है। वही आगे बताया कि शातिर चोर सूने घर को निशाना बनाते थे। घरो को तीन-चार बर घुमकर रैकी करते थे।

## खुलासा करने में इनकी रही भूमिका

खुलासा व गिरफ्तार करने वाली टीम सीएसपी पीएस परस्ते, विंध्यनगर टीआई अर्चना द्विवेदी, निरीक्षक यूपी सिंह, पुलिस लाइन, निरीक्षक जितेन्द्र भदौरिया पुलिस लाइन, एसआई संदीप नामदेव, अमन वर्मा, शीतला यादव, एएसआई रमेश प्रजापति, सुनील दुबे, संतोष साकेत, प्रआर पंकज सिंह, रमागोविन्द, श्याम सुंदर, हेमराज, मुनेन्द्र, विजय, नूर, संदीप, बृजेश, नीतिन, मआर रुकमणी, रामनिरंजन वैश्य, आर राजकुमार, अशोक, प्रताप, समीर, मनोहर, अमलेश, राहुल, भोले की उल्लेखनीय भूमिका रही।

# एनटीपीसी विंध्याचल ने 11वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव भोपाल में लगाई प्रदर्शनी

**सिंगरौली।** विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी एनटीपीसी विंध्याचल नें विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित भोपाल विज्ञान मेला 2024 में भाग लिया। यह महोत्सव 27 से 30 दिसम्बर तक जंबूरी मैदान, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विज्ञान और नवाचार को जन-जन तक पहुंचाना है। इस मेले में विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम शोध, प्रौद्योगिकी और विकास के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है।। इस महोत्सव में एनटीपीसी विंध्याचल के साथ-साथ खरगोन परियोजना नें भी सयुंक्त रूप से भाग लिया। यह महोत्सव भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का ग्यारहवाँ संस्करण है।एनटीपीसी पवेलियन इस मेले का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। यहां पर प्रदर्शित कई नवाचारी प्रौद्योगिकियां और कार्यशील मॉडल दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। पवेलियन में एनटीपीसी की पर्यावरणीय सततता, ऊर्जा उत्पादन, और सामुदायिक विकास के प्रयासों को प्रदर्शित करने वाले कई महत्वपूर्ण एलईडी डिस्प्ले और प्रदर्शनी लगाई गई हैं। इनमें खास तौर पर 10 टीपीडी कार्बन-टू-मेथेनॉल प्लांट का कार्यशील मॉडल शामिल है, जो पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी का उदाहरण प्रस्तुत करता है।इसके अलावा, एनटीपीसी ने प्रदर्शनी में वीआर गेम्स, पावर क्विज़ और एक कार्यशील डायोरामा पेश किया है, जो पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हो रही प्रगति को दर्शाता है। यह पवेलियन न केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी की नई दिशा को प्रस्तुत करता है, बल्कि बच्चों और युवाओं को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर भी प्रदान करता है। साथ ही एनटीपीसी के 50 वर्षों की गौरवमयी यात्रा पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें कंपनी के विकास, नवाचार और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों को दिखाया गया है।इस मौके पर एनटीपीसी विंध्याचल की टीम में शामिल श्रीमती किरण दीवाकर,वरिष्ठ प्रबन्धक (ग्रीन केमिकल्स), शंकर सुब्रमणियम वी, उप प्रबंधक(मानव संसाधन) और दिनेश कुमार मीना, जूनियर इंजीनियर(ईएमजी) ने दर्शकों से संवाद किया और उनके सवालों का जवाब दिया। उनके ज्ञानवर्धक और संवादात्मक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खासतौर पर आकर्षित किया।एनटीपीसी पवेलियन ने इस मेला के माध्यम से सतत विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। एनटीपीसी का लक्ष्य एक हरित और ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य की दिशा में निरंतर प्रगति करना है, और इस मेले में उनका प्रदर्शन इसे स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

# पड़ोसी कास्तकार पर धमकी और गाली गलौज का आरोप, मामला दर्ज

**सिंगरौली।** माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगियानी गांव में अपने खेत की ट्रैक्टर से जुताई कर रहे व्यक्ति को पड़ोसी गाली गलौज करते हुए खेत छोड़ने की धमकी देने लगा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार माड़ा थाना पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में जोगियानी निवासी विष्णु कुमार गुप्ता पिता स्व. कालिका प्रसाद गुप्ता अपनी पत्नी अनीता गुप्ता अपने भतीजे सूरज कुमार अग्रहरी ने आरोप लगाये है कि दोपहर करीब 2 बजे अपने खेत की ट्रेक्टर से जोताई करवा रहा था तभी पडोस का रामसकल यादव अपने पिता ठाकुरदयाल यादव और मां केवलापति यादव के साथ आया और मुझे मां बहन की गंदी गंदी गाली देते हुये बोला कि यह खेत तुम्हारे बाप का नहीं है तब मैं गाली देने से मना किया तो तीनो लोग मुझसे लिपटकर हांथ मुक्का एवं लाठी डंडा से जमीन में घसीट घसीट कर मारपींट करने लगे। तब मैं हल्ला गोहार किया को मेरी पत्नी अनीता यादव, भतीजा सूरज कुमार अग्रहरी, अनिल अग्रहरी, राजेश अग्रहरी आये और बीच बचाव किये। वहीं दूसरे दिन सुबह फिर से तीनो लोगों ने धमकी दिया कि यदि खेत जोतने जाओगे तो जान से मारकर खत्म कर देंगे। मारपीट में पीड़ित के पीठ, कमर, सीना में अंदरूनी चोट आई है। पीड़ित ने अब अपनी जमीन को बचाने के लिए पुलिस में रिपोर्ट जरूर की है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है जिससे दबंग पड़ोसियों का हौसला बढ़ा हुआ हैं।

# तीन दिवस धान उपार्जन रहेगा स्थागित

**सिंगरौली।** जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी पीसी चन्द्रवंशी ने बताया कि राज्य शासन प्राप्त निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में आगामी दिवसों में वर्षा की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जन केन्द्रों पर उपलब्ध धान के सुरक्षित भण्डारण हेतु दिनांक 30 31 दिसम्बर, 2024 एवं 01 जनवरी, 2025 को तीन दिवस समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन कार्य स्थगित किया जाता है। उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में धान विक्रय करने हेतु जिन किसानों द्वारा स्लॉट बुक किया गया है, उनके स्लॉट की वैधता अवधि 5 कार्य दिवस बढ़ाई जाती है एवं इसकी सूचना एसएमएस के माध्यम से किसानों को दी जा रही है। 2 जनवरी, 2025 से किसानों द्वारा नियमित रूप से धान का विक्रय उपार्जन केन्द्रों पर किया जा सकेगा।ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय का अवसर देने हेतु शासन द्वारा उपार्जन की अंतिम दिनांक 20 जनवरी 2025 से बढ़ाकर दिनांक 23.01.2025 तक की गई है।

# शासकीय आदिवासी बालक आश्रम सजापानी का तहसीलदार ने किया निरीक्षण

**सिंगरौली**

सरई तहसीलदार चंद्रशेखर मिश्रा द्वारा शासकीय आदिवासी बालक आश्रम सजापानी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने आश्रम की व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया और अधीक्षक सहित संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण में पाया गया कि आश्रम के शयनकक्षों की व्यवस्था उचित और सुव्यवस्थित है। बच्चों के रहने की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। बच्चों के शयनकक्ष में चादर धुले हुए नहीं पाए गए जिस पर अधीक्षक को साफ स्वच्छ बिस्तर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था भी संतोषजनक पाई गई। बच्चों को पौष्टिक और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने की सुनिश्चितता ने तहसीलदार को प्रभावित किया। आश्रम में अधीक्षक द्वारा ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था को सराहा गया। इस प्रणाली से बच्चों की उपस्थिति और सुरक्षा का सतत् निरीक्षण संभव हो रहा है। आश्रम के पेयजल स्रोत पूरी तरह कार्यशील पाए गए। विद्युत कनेक्शन, बाउंड्री वॉल, बाथरूम और चौकीदार की व्यवस्था भी मानकों के अनुसार ठीक पाई गई। तहसीलदार ने अधिकारियों को बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों की शिक्षा और उनके विकास के लिए आश्रम का संचालन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, यह सुनिश्चित करना अत्यावश्यक है। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने बच्चों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझा। बच्चों ने भी आश्रम की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। तहसीलदार ने अधीक्षक और स्टाफ को बच्चों की सुरक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की सलाह दी। यह निरीक्षण सुनिश्चित करता है कि शासकीय आदिवासी बालक आश्रम सजापानी में बच्चों के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस प्रकार की नियमित निरीक्षण प्रणाली आश्रम की गुणवत्ता और प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होती है।

# भरसेड़ा स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में जमकर अनियमितता

**सिंगरौली।** देवसर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भरसेड़ा में हो रहे स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में जमकर अनियमितता की जा रही है। सरकार एक ओर जनता को बुनियादी सुविधाएं उनके गांव में ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कहीं स्कूल ,कहीं स्वास्थ्य केंद्र तो कहीं सामुदायिक भवन बनाने के लिए लगातार बजट दे रही है, वहीं दूसरी ओर निर्माण एजेंसी द्वारा अपने निजी लाभ को साधते हुए गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य कराया जाता है। जिसका जीता जागता उदाहरण ग्राम पंचायत भरसेड़ा में निर्माण हो रही स्वास्थ्य केंद्र है। भरसेड़ा स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में संविदाकर द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार सरिया नहीं लगाई जा रही है। एवं रेत भी दो नंबर का उपयोग की जा रही है।

भरसेड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण में घटिया स्तर का मटेरियल उपयोग के साथ ही मिट्टी पटाई का कार्य सरकारी भूमि को मनमानी तरीके से खोदकर की जा रही है। निर्माण स्थल के आसपास जेसीबी से मिट्टी मुरूम का पटाई हुआ है। जो पूरी तरह से अवैध है।शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक शासकीय निर्माण कार्य स्थल पर निर्माण एजेंसी द्वारा साइन बोर्ड लगवानी चाहिए। परंतु स्वास्थ्य केंद्र भरसेड़ा के निर्माण स्थल पर साइन बोर्ड अभी तक नहीं लगवाया गया है जिससे आम आदमी को निर्माण से संबंधित कोई वाजिब जानकारी नहीं मिल पा रही है। और इसी तरह से संविदाकार द्वारा मनमानी की जा रही है।विकासखंड देवसर के ग्राम पंचायत भरसेड़ा में बन रही उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में एजेंसी द्वारा काफी गड़बड़ झाला की जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। उन्होंने इसकी जांच कराकर कार्रवाई की मांग एसडीएम देवसर अखिलेश कुमार सिंह से की है।

# एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा ग्राम-चरगोड़ा मे नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

**सिंगरौली।** एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत ग्राम चरगोड़ा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सीएसआर अनुभाग द्वारा एनटीपीसी-विंध्याचल अस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों के सहयोग से स्थानीय ग्रामीणजनों हेतु किया गया । उक्त चिकित्सा शिविर में ग्रामिणवासियों ने बढ़-चढ कर हिस्सा लिया। इस शिविर में कुल 231 मरीजों (110 महिलाएं, 22 बच्चें एवं 99 पुरुषों) की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाईयो का वितरण किया गया ।इस शिविर में चिकित्सा विभाग की तरफ से मुख्य महाप्रबंधक(चिकित्सा) डॉ. बीसी चतुर्वेदी, वरिष्ठ विशेषज्ञ (महिला रोग) डॉ. हेमा उराव, सहायक ऑफिसर (विंध्य चिकित्सालय) सुर्जन सिंह राजपूत, अन्य चिकित्सकगण एवं उनकी मेडिकल टीम के साथ-साथ कार्यपालक(सीएसआर) निखिल जायसवाल एवं सीएसआर टीम उपस्थित रही।उक्त चिकित्सा शिविर का ग्रामीणजनों द्वारा भरपूर प्रशंसा की गयी एवं इस नेक कार्य की काफी सराहना की गयी ।

# मदरसा जामिया में टीबी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**सिंगरौली।** सिंगरौली अंतर्गत 100 दिवसीय निश्चय शिविर अभियान अंतर्गत मदरसा जामिया में टीबी जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला क्षय अधिकारी डॉक्टर विशेष सिंह डब्लूएचओ कंसल्टेंट डॉक्टर दिव्यांशु शुक्ला उपस्थित रहे इस दौरान डॉक्टर विशेष सिंह द्वारा उपस्थित बच्चों को टीबी के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि अगर किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से ज्यादा खांसी आए रुक-रुक कर बुखार आए, वजन घटे, सीने में दर्द हो तो वह नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में बलगम की जांच करा सकता है इसका निशुल्क जांच एवं इलाज होता है तथा टीवी के मरीजों को निश्चय पोषण योजना अंतर्गत 1000 रुपये भी प्रदान किए जाते हैं। आमतौर पर समय से जांच और इलाज न होने के कारण कोई भी टीवी का मरीज 1 वर्ष में अपने आसपास के कम से कम 10 से 15 लोगों को टीबी फैला देता है। अगर कोई टीबी रोगी पूरी दवा खाता है तो वह पूर्ण रूप से टीवी रोग से मुक्त हो जाता है।

**पश्चिम मध्य रेल**
**खुली निविदा (दो पैकेट प्रणाली)**
**इंजीनियरिंग निर्माण शाखा**
उप मुख्य अभियंता (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, सीधी, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई.-निविदा नोटिस क्रमांक: डिप्टी-सी.ई.- सी-सीधी-07-2024, दिनांक: 20.12.2024 के द्वारा आमंत्रित करते हैं। निविदाएँ बन्द होने की तारीख: 13.01.2025 एवं समय 15:00 बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल/संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होगी तथा निविदाओं को उपेक्षित कर दिया जाएगा। निविदाएं पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी। निविदा क्र.: डिप्टी-सी.ई.-सी-सीधी-07-2024 दिनांक -20.12.2024, कार्य का नाम लोकेशन सहित: नई बड़ी लाइन रेल लाइन परियोजना के रीवा-सीधी खंड में सुरंग संख्या 1,2,3 और 4 में गिट्टी रहित ट्रैक का प्रावधान।, निविदा का अनुमानित मूल्य: रू. 310666481.52, निविदा फार्म की (कीमत रूपये) : रू 0.00, बयाना राशि (रूपयें में): रू 1703300.00, कार्य समापन अवधि (माह): 06 माह मानसून सहित, ई-निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 13.01.2025 को 15:00 बजे बंद एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.ई.पी.एस. के माध्यम से https://www.ireps. gov.in पर आनलाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय-समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाइट https://www.ireps. gov.in देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।
उप मुख्य अभियंता(निर्माण), पमरे, सीधी
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

# स्टोन क्रेशर्स प्लांट के आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित

**सिंगरौली।** केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा स्टोन क्रशर्स में आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था हेतु दिशा निर्देश जारी किया गया है। इस मार्गदर्शिका के अनुपालन में स्टोन क्रेशर्स द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्र अंतर्गत संचालित 40 से भी अधिक स्टोन क्रशर्स के प्रतिनिधियों के द्वारा उपस्थित होकर स्टोन क्रशर्स में विद्यमान प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री शुक्ला के द्वारा गुलमोहर, सतपर्णी, कदम, अकेशिया, पेल्टाफार्म इत्यादि सघन प्रजाति के वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए गए हैं। आगामी 3 माह उपरांत पुन: समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी। दिनांक 23.12.2024 को दिल्ली में सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अध्यक्षता में सिंगरौली क्षेत्र के स्टोन क्रेशर हेतु विशेष रूप से फ्लाई ऐश मैनेजमेंट की बैठक आयोजित की गई थी। उक्त बैठक में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सिंगरौली की ओर से क्षेत्रीय अधिकारी संजीव मेहरा स्वयं दिल्ली में उपस्थित हुए थे तथा जिला खनिज अधिकारी एवं कलेक्टर, सिंगरौली चंद्रशेखर गुप्ता वीसी के माध्यम से ज्वाइन किए थे। इस बैठक में मध्य प्रदेश शासन, पर्यावरण विभाग के सचिव, श्री कोठारी एवं मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव एए मिश्रा भी भौतिक रूप से उपस्थित थे। उक्त बैठक में सचिव, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, दिल्ली के द्वारा कलेक्टर, सिंगरौली को सिंगरौली क्षेत्र के स्टोन क्रशर्स में सीपीसीबी की गाइडलाइन का अनुपालन कराने हेतु कड़े निर्देश दिए गए थे। सिंगरौली क्षेत्र के प्रदूषित जिले की सूची में शुमार होने के कारण सदस्य सचिव, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी सभी स्टोन क्रशर्स में सीपीसीबी की गाइडलाइन का क्रियान्वयन कराने को कहा गया है, निर्देशों के अनुपालन में जिला खनिज अधिकारी के द्वारा स्टोन क्रशर्स में वृक्षारोपण हेतु महाअभियान चलाया जाना निर्धारित किया गया है, इससे क्रेशर क्षेत्र के पर्यावरण में सुधार आएगा।

# खरीदी केंद्र में बारिश से बचाव के इंतजाम नदारद,भीगती रही धान

**सिंगरौली।** जिले सरई तहसील अंतगर्त झारा स्थित खरीदी केंद्र में किसानों से खरीदा गया धान प्रशासनिक लापरवाही का शिकार हो रहा है। खुले आसमान के नीचे रखे गए धान को बारिश से बचाने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए। नतीजतन, बेमौसम बारिश में धान के बोरे भीग चुके हैं, जिससे फसल की गुणवत्ता पर असर पड़ने का खतरा मंडरा रहा है। किसानों का कहना है कि प्रशासन ने धान की सुरक्षा के लिए न तो तिरपाल की व्यवस्था की और न ही किसी प्रकार का शेड बनाया। किसानों ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी मेहनत की फसल को इस तरह खराब होते देखना बेहद पीड़ादायक है। एक किसान ने कहा, हमने अपनी फसल को बेचने के लिए केंद्र पर भरोसा किया, लेकिन यहां हालात बदतर हैं। प्रशासनिक उदासीनता ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खरीदी केंद्र पर तैनात कर्मचारियों का कहना है कि संसाधनों की कमी के कारण तिरपाल नहीं लगाया जा सका। किसानों ने प्रशासन से तत्काल धान की सुरक्षा के लिए उचित प्रबंध करने की मांग की है। यदि समय पर कदम नहीं उठाए गए, तो यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। बता दें कि इस खरीदी केन्द्र पर सरई तहसीलदार चंद्रशेखर मिश्रा द्वारा झारा खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गया था जहां कमियां मिलने पर सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था। किंतु विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का व्यवस्था नहीं किया गया। नतीजा यह रहा कि धान की फसल भीग गई।

## इनका कहना है

हमारे द्वारा शुक्रवार को खरीदी केंद्र झारा का निरीक्षण किया गया था एवं हिदायत दी गई थी कि बारिश के बचाव के लिए तिरपाल आदि तैयार रखें। आपके द्वारा जानकारी मिली है मैं जल्द ही खरीदी केंद्र झारा का निरीक्षण करूंगा।

**चंद्रशेखर मिश्रा,**
**तहसीलदार सरई**

# ऑपरेशन निखार अंतर्गत बोर्ड परीक्षा की तैयारी की हुई समीक्षा

## नियमित रूप से रेमेडियल कक्षाएं संचालित कर परीक्षा परिणाम बढ़ाये

**सीधी**

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी श्री अंशुमन राज की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के सभागार में प्राचार्यों की बैठक आयोजित हुई बैठक में संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा श्री एस के त्रिपाठी एवं उपसंचालक श्री के पी तिवारी उपस्थित हुए।

बैठक में गत वर्षों के परीक्षा परिणाम की जानकारी, इस वर्ष अब तक किये गए कार्य एवं कार्ययोजना, विभागीय गतिविधियों और बीते वर्ष के 0 से 30 प्रतिशत वाले स्कूलो द्वारा किये प्रयास की जानकारी एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र द्वारा दी गई।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्राचार्य व शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि कमजोर विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाएं नियमित रूप से चलें। 10वीं एवं 12वीं के ऐसे विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की विशेष तैयारी करवाई जाए जो अर्धवार्षिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड लाए हैं। रेमेडियल कक्षाओं के दौरान मॉड्यूल से विद्यार्थियों से ही पढ़ाई करवाई जाए। दसवीं की तैयारी के लिए अभ्यास पुस्तिका एवं तीन वर्ष के पेपर का उपयोग किया जाय। संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा एस के त्रिपाठी ने कहा कि पढ़ाई में कमजोर छात्रों के पालकों से बात करें। हमें शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करनी ही होगी, अनुपस्थित बच्चों के पालकों से संपर्क कर बच्चों के अनुपस्थित रहने के कारण जाने और उन्हें उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि अध्ययन में कमजोर बच्चों से उनकी समस्या का कारण पूछे और रेमेडियल एवं अतिरिक्त कक्षा के माध्यम से मार्गदर्शन दें।

### बैठक में यह अधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी एल मिश्रा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डॉ डीके द्विवेदी, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एसएन त्रिपाठी, सहायक संचालक ओशो उत्सव, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, एडीपीसी प्रवीण शुक्ला, एपीसी रमसा सुजीत मिश्रा, समस्त बीआरसीसी तथा सभी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित रहे।

## कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षक संवर्ग के शासकीय सेवकों की समस्याओं का निवारण शिविर 03 जनवरी को

**सीधी।** जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के पत्र दिनांक 18.10.2024 के द्वारा विभाग में कार्यरत/सेवानिवृत्त शिक्षक संवर्ग के शासकीय सेवकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के त्वरित निराकरण की दृष्टि से आगामी शीतकालीन अवकाश दिनांक 31.12.2024 से 04.01.2025 तक की समयावधि में लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। समस्या निवारण शिविर में प्रमुखत: क्रमोन्नति/समयमान वेतनमान का लाभ देने संबंधी प्रकरण, वेतन निर्धारण से संबंधित लंबित प्रकरण, विभिन्न प्रकरण के अवकाश स्वीकृति के लंबित प्रकरण, शासकीय सेवकों के लंबित सेवानिवृत्त स्वत्वों के निराकरण संबंधी प्रकरण, आगामी छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण तैयार करने संबंधी एवं अन्य स्थापना संबंधी मुद्दे यदि कोई है तो का निराकरण किया जायेगा। दिनांक 03.01.2025 को शासकीय उ.मा.वि. क्रमांक 2 सीधी में शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें समस्त विकासखण्ड के प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

# यूपीएससी और एमपीपीएससी नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस

## जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने दिया करंट अफेयर्स पर लेक्चर

**सीधी।** जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने जनपद पंचायत के सभागार में संचालित यूपीएससी और एमपीपीएससी नि:शुल्क कोचिंग के छात्र-छात्राओं का करेंट अफेयर्स पर लेक्चर लिया। इस दौरान सहायक संचालक नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती, शिक्षक गुरुदेव मिश्रा और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। व्याख्यान के दौरान उन्होंने नोबेल पुरस्कार 2024, पेरिस ओलंपिक, पहला विज्ञान रत्न पुरस्कार, पहली वन्दे मेट्रो, एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24, लोकसभा चुनाव 2024, पहला डार्क स्काई पार्क, राष्ट्रीय

समुद्री विरासत परिषद, इंटरनेशनल बिग कैट एलियांस, इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार 2024, अष्टलक्ष्मी महोत्सव, बीमा सखी योजना, आरबीआई के नए गवर्नर, शास्त्रीय भाषाए, सुप्रीम कोर्ट का नया ध्वज व प्रतीक चिन्ह, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय आदि पर विस्तृत चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के सहयोग से नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस निरंतर रूप से संचालित हो रही है।

## जिला अधिवक्ता संघ ने डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर अर्पित की श्रद्धांजलि

**सीधी।** जिला अधिवक्ता संघ सीधी ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर न्यायालय प्रांगण सीधी में शोक सभा में 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि रखते हुए बृजेंद्र सिंह अध्यक्ष महोदय द्वारा डॉक्टर मनमोहन सिंह द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में उन्हें आर्थिक साधार का जनक कहा गया है उनके द्वारा भारत में खाद्य सुरक्षा योजना, मनरेगा, आधार कार्ड योजना, गरीबों की शिक्षा योजना, आयात निर्यात का सरलीकरण आदि आधारभूत योजना लागू कर भारत को आर्थिक मंदी से विश्व पटल पर उभारने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया है एवं जिला अधिवक्ता संघ सीधी के सदस्य अधिवक्ता रोहिणी पटेल के पिता स्वर्गीय रामाश्रय पटेल के निधन पर 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

# बारिश के कारण धान खरीदी केंद्रों में लाखों क्विंटल भीगी धान

## विभागीय अमलों की फूल रही सांसे, निर्देश के बाद भी नहीं किया गया पुख्ता इंतजाम

**सीधी।** जिले भर में धान खरीदी केंद्रों में विभाग के निर्देश के बाद भी पुख्ता इंतजाम न होने की वजह से पहली बारिश में ही लाखों क्विंटल धान भीग चुकी है। कहीं नहीं नाममात्र का तिरपाल तो कहीं खुले में धान में बारिश का कहर देखने को मिला है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों की अब सांसे फूलने लगी हैं। इस मामले में खरीदी केंद्र के प्रभारी भी जवाब देने से कतराते नजर आ रहे हैं।

देखा जाए तो पहले से ही निर्देश दिया गया था कि खरीदी केंदों में बारिश को देखते हुए समुचित व्यवस्था कराई जाए। लेकिन खरीदी केंद्रों की मनमानी मानें या अधिकारियों की अनदेखी। आखिरकार वही हालात अब निर्मित हुई जहां कि जिले के लगभग सभी खरीदी केंद्रों में लापरवाही की वजह से धान बारिश के कारण भीग गई है। इसके जिम्मेदार खरीदी केंद्र प्रभारी तो होंगे ही साथ ही वरिष्ट अधिकारी भी कम नहीं माने जा सकते हैं। ऐसे में यह तो तय है कि इन पर गाज गिरनी चाहिए।

उपार्जन केंद्रों में जो तिरपाल एवं प्लास्टिक की पन्नी मौजूद थी उसको धान की बारियों के ऊपर डाला गया। खरीदी केंद्रों में काफी

मात्रा में धान का स्टॉक होने के कारण वहां बोरियों की ऊंची-ऊंची छल्लियां लगी हुई हैं। ऊपर से बोरियों को ढका गया। लेकिन नीचे से बारिश से बोरियां घंटों भीगती रही। गनीमत यह रही कि दोपहर करीब 2 बजे से बारिश के थम गई। फिर भी हल्की बारिश का दौर कुछ स्थानों में रुक-रुक कर चलता रहा। जिले भर के हर खरीदी केंद्रों में यह हालात देखने को मिल रही है।

आसमान में उमड़ रहे घने बादलों के चलते अभी बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मालूम रहे कि शासन की अदूरदर्शिता के चलते इस बार धान खरीदी का दौर 2 दिसंबर से शुरू तो हो गया लेकिन उपार्जन केंद्रों में रखी धानों का परिवहन शुरू नहीं हो सका। धान परिवहन की जिम्मेदारी पिछले वर्ष से मिलरों को दी गई थी। इस वर्ष खरीदी शुरू होने के पूर्व से ही मिलर हड़ताल पर चले गए। उनकी मांगें पूरी होने में काफी लंबा समय लगा और लगातार धान खरीदी का सिलसिला चलता रहा। बाद में बारिश होने की संभावना के चलते प्रदेश सरकार द्वारा मिलरों के अलावा अलग से भी ट्रांस्पोर्टेशन कराने का निर्णय लिया। फिर भी खरीदी केंद्रों में वर्तमान में भी 3 लाख क्विंटल से ज्यादा धान मौजूद है। भीगने के बाद धान का परिवहन होने में भी दिक्कतें आ गई हैं। सीधी जिले में धान किसानों से धान खरीदी के लिए 44 उपार्जन केंद्र वर्तमान में संचालित हो रहे हैं। इनमें सिर्फ 13 गोदाम स्तरीय उपार्जन केंद्र हैं। जबकि 31 उपार्जन केंद्र खुले आसमान के नीचे ही संचालित हो रहे हैं।

देखा जाए तो शहर के समीपस्थ अमरवाह खरीदी केंद्र में तिरपाल की व्यवस्था न होने की वजह से धान की बोरियां भीगती नजर आई हैं। हालात यह रही कि यहां कुछ तो तिरपाल लगा दिया गया लेकिन खुले आसमान में बोरियां होने के बाद भी पर्याप्त तिरपाल की व्यवस्था न होने की कारण धान बारिश के कारण गीली हो गई है। इस मामले में जिम्मेदार अधिकारी पहल करेंगे तो सच्चाई का पर्दाफाश सामने आ सकता है।

## युवक के साथ की गई मारपीट, शरीर में आई चोंट

**सिहावल।** जिले के अमिलिया थाना अंतर्गत युवक के साथ विवाद को लेकर मारपीट की गई। जिसके कारण शरीर में काफी चोंटे आई हैं। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता निर्मल द्विवेदी पिता बृहस्पति निवासी बमुरी ने बताया कि 21 दिसंबर को रात करीब 10 बजे वह अपने घर की तरफ जा रहा था तो रास्ते में श्रीनिवास, जागेश्वर द्विवेदी, नागेश्वर द्विवेदी ने रास्ता रोककर गाली गलौज एवं मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में निर्मल द्विवेदी को पीठ में चोट आई है एवं सिर में बांए तरफ, अंगूठा के पास भी चोंट आई है। इस मामले में पुलिस द्वारा बीएनएस की धारा 296 (ठ) 115(2), 351(3), 3(5) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

# ठाकरे, जेटली और पटवा भारत माता के अनमोल रत्न : तिवारी

## भाजपाइयों ने अर्पित की पुष्पांजलि

**सीधी।** भारतीय जनता पार्टी के पित्र पुरुष पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुन्दर लाल पटवा जी की पुण्यतिथि एवं अरुण जेटली जी की जन्म जयंती पार्टी कार्यालय मे भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष और मऊगंज जिला संगठन प्रभारी के के तिवारी के मुख्य आतिथ्य में मनाई गई। पूर्व जिला अध्यक्ष के के तिवारी ने ठाकरे जी, जेटली जी और पटवा जी को अपनी पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात कहा कि यह त्रिदेव भारत माता के सच्चे अनमोल रत्न हैं। ठाकरे जी ने कार्यकर्ताओं को संगठन चलाने की अद्भुत कला सिखाई वही जेटली जी ने सूचना क्रांति के रूप में डिजिटल से युक्त भारतीय जनमानस को किया और पटवा जी ने मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। आज ऐ त्रिदेव भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हम सभी को उनके जीवन दर्शन से भारत माता की सेवा के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए।

पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता डॉ देवेन्द्र त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष डॉ विक्रम सिंह चौहान, प्रमोद द्विवेदी ,विश्ववंधुधर द्विवेदी, जिला महामंत्री विनोद साकेत ,अमित प्रधान ,नगर मंडल अध्यक्ष पंकज पाण्डेय ,निशांत मिश्रा, पूनम सोनी, मुनिराज विश्वकर्मा, अन्नू पाण्डेय, दिनेश गुप्ता, राजीव शर्मा, रोहित मिश्रा ,हीरालाल कोरी, चंदन मिश्रा, अभय सिंह, शक्ति वर्मा, वीरेंद्र पाण्डेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## व्यापारी संघ द्वारा आयोजित की गई आम सभा

**सीधी।** जिला व्यापारी संघ सीधी ने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए 27 दिसंबर 2024 को एक आम सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में व्यापारी संघ के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को पदाधिकारियों के समक्ष रखा, जिन पर चर्चा करते हुए जिला व्यापारी संघ के अध्यक्ष लालचंद गुप्ता ने कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उठाए गए प्रमुख मुद्दों में व्यापारियों को दुकानों के बाहर सफाई बनाए रखने की सलाह दी गई ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। शहर में ऑटो स्टैंड की आवश्यकता पर चर्चा की गई, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार हो सके। सभा में उपस्थित प्रमुख सदस्यों में जिला अध्यक्ष लालचंद गुप्ता धर्मशाला कमेटी के अध्यक्ष हजारीलाल, संरक्षक मंडल सदस्य विनोद मिश्रा, चंद्रभान बसंतानी, महामंत्री भीम कामदार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिहर सोनी, कोषाध्यक्ष रोशन लाल गुप्ता, कोर कमेटी सदस्य दिलीप सितानी, मुन्ना तिवारी, कैलाश सिंह बघेल, मोहम्मद इदरीश वहीं कार्यकारिणी सदस्य संतोष सिंह गहरवार, भैया लाल गुप्ता, नरेंद्र लालवानी, मोनू गुप्ता, मोहम्मद शरीफ, युवा व्यापारी संघ के अध्यक्ष सनी मोटवानी, कार्यकारी अध्यक्ष रतनीश सोनी एवं युवा व्यापारी संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्य शामिल हुए।

## बारिश से बदला मौसम का मिजाज, बढ़ी गलन

**सीधी।** जिले भर में बारिश के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है। सुबह से ही बारिश होने से सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। दोपहर करीब 1 बजे तक हल्की बारिश लगातार बनी रही। हालांकि यह बारिश किसानों के लिए लाभदायक है। वहीं बारिश की वजह से ठंड का मिजाज भी बदल गया है। सुबह से ही आसमान पर घने बादल छाए रहे और दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। ठंड के कारण लोग अपने घरों में दुबके रहे और बाजारों में सन्नाटा छाया रहा। इस बेमौसम बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया।

खण्ड – 1
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन
कार्यालय वन मण्डल सीधी, मध्यप्रदेश
ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 8783 /ई–टेंडरिंग/2024–25 दिनांक 24.12.2024।

1. वन मण्डलाधिकारी वन मण्डल सीधी द्वारा म0प्र0 भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित–2022) के अन्तर्गत निम्नलिखित ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र. | सामग्री का नाम | सत्यांकार निधि | निविदा मूल्य |
|---|---|---|---|
| 1 | Leaf Blower 4 Stroke (Specification as per Annexure 1) | 70000/– | 1000/– |
| 2 | Brushwood Cutter (Specification as per Annexure 2) | | |
| 3 | Helmet (IS-2745-1983) (Specification as per Annexure3) | | |
| 4 | Glovs (IS-6994) (Specification as per Annexure 3) | | |
| 5 | Ankle Boots (IS-5557:2004) (Specification as per Annexure 3) | | |
| 6 | Fire Blanket (IS-15381-2003) (Specification as per Annexure 3) | | |
| 7 | Eye-Protectors (IS-5983-1980) (Specification as per Annexure 3) | | |
| 8 | Water Bottles (IS-2798:1998) (Specification as per Annexure 3) | | |
| 9 | Fire Beaters (IS-8096-1992) (Specification as per Annexure 3) | | |
| 10 | High Visibity Warning Cloths (Example of Class 2 Vests) (IS-15809:2008) (Specification as per Annexure 3) | | |

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेविट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 29.12.2024 समय 18.00 बजे से दिनांक 08.01.2025 को समय 11.59 पीएम तक केवल आनलाइन खरीद सकते है।
- ई–प्रोक्योर्मेन्ट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लांगू होगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 07.01.2025 समय दोपहर 12.00 बजे से 1.00 तक वन मण्डल कार्यालय में आयोजित की जावेगी, जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि स्वयं सामग्री के नमूना के साथ उपस्थित रहेगें। प्राप्त सामग्री नमूना का परीक्षण मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से कराया जावेगा और परीक्षण शुल्क निविदाकार द्वारा वहन किया जावेगा। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही निविदाकार भाग लेने के हकदार होगे जिन्होने ई–टेंडर फार्म खरीदें है।
- ई–निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो तो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जायेगा, समाचार पत्रों में नही।
- ई–प्रोक्योर्मेन्ट पोर्टल – https://mptenders.gov.in

वन मण्डल अधिकारी
सीधी (म.प्र.)
जी–20908/24

# लोकायुक्त टीम ने प्रधान आरक्षक को रिश्वत लेते किया ट्रेप

## जमानत देने के नाम पर मांगी गई थी 15 हजार रुपए की रकम

**सीधी।** लोकायुक्त की टीम ने सप्ताह भर के अंदर दूसरी बड़ी कार्यवाही किए हैं। इसके पहले मझौली में नायब तहसीलदार द्वारा रिश्वत के मामले में 25 हजार रुपए लेते रंगे हांथों पकड़ा गया। वहीं पुलिस चौकी खड्डी में पदस्थ प्रधान आरक्षक द्वारा 15 हजार रुपए रिश्वत बतौर टीम द्वारा पकड़ा गया है। ऐसे में लोकायुक्त ने ही सच्चाई का पर्दाफाश कर रहा है। अन्यथा रिश्वतखोरी थमने का नाम नहीं ले रही है। लोकायुक्त रीवा टीम ने रामपुर नैकिन थाना के पुलिस चौकी खड्डी में पदस्थ प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हांथों ट्रैप किया। यह रिश्वत मारपीट के मामले में जमानत देने के लिए ली जा रही थी। लोकायुक्त टीम ने शिकायतकर्ता दिवाकार प्रसाद द्विवेदी निवासी खड्डी खुर्द के घर में ही ट्रैप कार्यवाही की।

प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी द्वारा शिकायतकर्ता दिवाकर प्रवास द्विवेदी के लडक़े और भांजे को जमानत देने के लिए 15 हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई थी। दिवाकर प्रसाद द्विवेदी द्वारा इसकी लिखित शिकायत लोकायुक्त संभाग रीवा कार्यालय में की गई थी। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा द्वारा शिकायत का सत्यापन कराया गया। शिकायत सत्यापन के दौरान आरोपी प्रधान आरक्षक ने शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपए रिश्वत मांगे थे। जिसके बाद लोकायुक्त रीवा टीम द्वारा प्रधान आरक्षक को रिश्वत लेते रंगे हांथों पकडऩे की पूरी कार्ययोजना तैयार की गई।

### लोकायुक्त के 12 सदस्यीय टीम ने की कार्यवाही

प्रधान आरक्षक द्वारा रिश्वत लेने के लिए 27 दिसंबर 2024 की रात करीब 9 बजे शिकायतकर्ता के घर में ही आने की बात पक्की की गई थी। जिसके बाद लोकायुक्त की 12 सदस्यीय टीम ने 27 दिसंबर की शाम को ही शिकायतकर्ता दिवाकर प्रसाद द्विवेदी के घर के पास पहुंचकर अपना मोर्चा संभाल लिया था। रात करीब 9 बजे प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी रिश्वत लेने के लिए शिकायतकर्ता दिवाकर प्रसाद द्विवेदी के घर में दाखिल हुआ। उसके रिश्वत लेते ही लोकायुक्त टीम के पास सिग्रल भेजा गया। जिसके बाद लोकायुक्त टीम के सदस्य जल्द शिकायतकर्ता के घर के अंदर दाखिल हुए और रिश्वत की नोट के साथ आरोपी प्रधान आरक्षक को दबोच लिया। प्रधान आरक्षक की गिरफ्तारी के बाद लोकायुक्त की टीम रात करीब 12 बजे सर्किट हाउस सीधी पहुंची। यहां पूरी रात लोकायुक्त टीम द्वारा कार्यवाही को पूरा किया गया। बाद में निजी मुचलके पर आरोपी को छोंड़ दिया गया। लोकायुक्त टीम की इस कार्यवाही के बाद से पुलिस विभाग में भी हडक़ंप मच गया।

### जमीन विवाद को लेकर मेरे साथ हुआ अन्याय: दिवाकर

इस मामले में शिकायतकर्ता दिवाकर प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि 21 तारीख की रात को जमीनी विवाद के चलते शैलेन्द्र तिवारी, सुदामा तिवारी के पक्ष के साथ मारपीट हुई थी। जिसमें उनके पक्ष को ज्यादा चोंटे आई थी। वहीं शैलेन्द्र तिवारी को हल्की चोंटे आई थी। इस मामले में शैलेन्द्र तिवारी की रिपोर्ट पर रात में ही उनके पक्ष के छ: व्यक्तियों को आरोपी बनाकर अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया। उनके द्वारा अगले दिन खड्डी चौकी में जाकर रिपोर्ट करने का प्रयास किया गया। लेकिन पुलिस द्वारा हीलाहवाली शुरू कर दी गई।

## संपादकीय

### सराहनीय कार्रवाई, खालिस्तानी संगठन को पुलिस ने किया तहस-नहस

पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में खालिस्तानी अलगाववाद की आग फिर से लहकाने की कोशिश हो रही है। इसके तार ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका और सीमावर्ती पाकिस्तान से जुड़े पाए गए हैं। हालांकि पंजाब पुलिस और खुफिया एजेंसियों की तत्परता से ऐसी कोशिशों को समय रहते नाकाम कर दिया गया, मगर अब भी कुछ युवा गुमराह होकर इस रास्ते पर निकलते देखे जाते हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में मारे गए तीन खालिस्तान समर्थक युवा इसके ताजा उदाहरण हैं। ये तीनों खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य बताए जा रहे हैं।इस संगठन का अगुआ रणजीत सिंह नीता है और इसे ग्रीस में रहने वाले जसविंदर सिंह मन्नू द्वारा संचालित किया जाता है। बताया जा रहा है कि इस संगठन को ब्रिटेन में रहने वाले और ब्रिटिश सेना में सेवारत जगजीत सिंह द्वारा नियंत्रित किया जाता है। पीलीभीत में मारे गए तीनों युवकों को पंजाब पुलिस को तलाश थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने गुरदासपुर की पुलिस चौकी पर हथगोले से हमला किया था। पंजाब पुलिस उनका पीछा करते हुए पीलीभीत पहुंची थी और वहां की पुलिस को इन तीनों के बारे में जानकारी दी थी। दोनों पुलिस दल के संयुक्त अभियान में तीनों अलगाववादियों को मार गिराया गया।अच्छी बात है कि पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वांछित अपराधियों का पीछा किया और उनकी तरफ से किए गए हमले का सावधानी से सामना किया। मगर पंजाब में अलगाववादी चरमपंथियों का मनोबल अब भी तोड़ने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है, तो यह चिंता की बात है। मारे गए चरमपंथियों के पास से अत्याधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोली-बारूद बरामद किया गया है। माना जा रहा है कि ये तीनों उत्तर प्रदेश से सटी नेपाल की सीमा में घुसपैठ कर जाना चाहते थे। जहां वे मुठभेड़ में मारे गए, वहां से नेपाल की सीमा थोड़ी ही दूरी पर है। पंजाब भी सीमावर्ती राज्य है और पाकिस्तान से जब-तब आतंकी चुनौतियां मिलती रहती हैं। मारे गए युवकों के पास से बरामद हथियार उन तक कहां से पहुंचे, यह फिलहाल जांच का विषय है, पर अंदाजा लगाना कठिन नहीं कि सीमा पार से उन्हें मदद मिली होगी।

**अर्थशास्त्र का योद्धा, ये नाम शायद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए एक बेहतर श्रद्धांजलि होगी। वो योद्धा जिसकी जुबान नहीं बल्कि कलम चलती थी। एक समय था जब पूरा विपक्ष तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह पर मौन रहने का आरोप लगा रहा था। एक समय था जब बीजेपी का सत्ता 'सूर्य' उदय होने वाला था और कांग्रेस का अस्त। तब शांत रहने वाले मनमोहन सिंह का मौन टूट गया। इसके बाद उन्होंने कुछ ऐसे शब्द कहे जो अब अमर हो चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2014 में अपने पद छोड़ने से कुछ महीने पहले मीडिया और विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि उनका नेतृत्व कमजोर नहीं है। उन्होंने विश्वास जताया था कि इतिहास उनके साथ न्याय करेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्होंने राजनीतिक दबावों के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। इसके अलावा, उन्होंने गुजरात दंगों का जिक्र करते हुए तब के पीएम उम्मीदवार नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था।**

# सिर्फ एक बात कह 'अमर' हो गए मनमोहन सिंह, जब विपक्ष के हंगामे को 'मौन' ने करा दिया था शांत

(ऋषिकेश नारायण सिंह)

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2014 में मीडिया और विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनका नेतृत्व कमजोर नहीं था, और उन्होंने राजनीतिक दबावों के बावजूद अपने देशहित में सर्वश्रेष्ठ फैसला लिया। उन्होंने अपने कार्यकाल के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इतिहास उनके साथ न्याय करेगा।

अर्थशास्त्र का योद्धा, ये नाम शायद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए एक बेहतर श्रद्धांजलि होगी। वो योद्धा जिसकी जुबान नहीं बल्कि कलम चलती थी। एक समय था जब पूरा विपक्ष तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह पर मौन रहने का आरोप लगा रहा था। एक समय था जब बीजेपी का सत्ता 'सूर्य' उदय होने वाला था और कांग्रेस का अस्त। तब शांत रहने वाले मनमोहन सिंह का मौन टूट गया। इसके बाद उन्होंने कुछ ऐसे शब्द कहे जो अब अमर हो चुके हैं।

**मनमोहन सिंह की वो कहानी-** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2014 में अपने पद छोड़ने से कुछ महीने पहले मीडिया और विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि उनका नेतृत्व कमजोर नहीं है। उन्होंने विश्वास जताया था कि इतिहास उनके साथ न्याय करेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्होंने राजनीतिक दबावों के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। इसके अलावा, उन्होंने गुजरात दंगों का जिक्र करते हुए तब के पीएम उम्मीदवार नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी चुप्पी तोड़ी थी।

**मजबूरियों में दिया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन-** जनवरी 2014 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में मीडिया और विपक्ष के

सवालों का सामना किया। उन पर कमजोर नेतृत्व का आरोप लग रहा था। इस पर उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वो ये नहीं मानते कि वो एक कमजोर पीएम रहे। उन्होंने कहा कि मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में अधिक दयालु होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनका प्रयास राजनीतिक मजबूरियों के बीच सर्वेषेखव यह भी स्पष्ट किया कि राजनीतिक बाधाओं के बावजूद, उन्होंने हमेशा देश के हित में काम किया। उन्होंने कहा, राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है।

**'इतिहास मेरे साथ इंसाफ करेगा'-** अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों का बचाव करते हुए मनमोहन सिंह ने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना किया। अब ये इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया। उस समय भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी थे। भाजपा मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में प्रचारित कर रही थी। वहीं, मनमोहन सिंह पर कमजोर नेतृत्व का आरोप लगाया जा रहा था। इस पर उन्होंने मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 2002 के गुजरात दंगों का जिक्र किया। इससे राजनीतिक माहौल गरमा गया था।

**कोयला घोटाले पर एक जवाब ने कर दिया 'अमर'-** भ्रष्टाचार के आरोपों पर मनमोहन सिंह ज्यादातर चुप रहे। विपक्ष उन पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा था। तब मनमोहन सिंह ने अपनी चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने सिर्फ एक लाइन कही और पूरे विपक्ष को थोड़ी देर के लिए शांत कर दिया। मनमोहन सिंह ने कहा- हजार जवाबों से अच्छी है खामोशी मेरी। ये उस नेता का जवाब था जिसने अपने पूरे कार्यकाल या यूं कहें कि जीवन भर एक ही सिद्धांत को जिया, और वो ये कि कर्म ही प्रधान है बाकी वाणी मिथ्या।

### पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उपलब्धियां

- 1957 से 1965- चंडीगढ़ के पंजाब विश्वविद्यालय में सबसे पहले अध्यापक बने।
- 1969 से 1971- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर रहे।
- 1976- दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में मानद प्रोफेसर बने।
- 1982 से 1985- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे।
- 1985 से 1987- योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे।
- 1990 से 1991- प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार रहे।
- 1991- नरसिंहराव सरकार में वित्त मंत्री बने।
- 1991- पहली बार असम से राज्यसभा के सदस्य बने।
- 1996- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मानद प्रोफेसर बने।
- 1999- दक्षिण दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।
- 2001- तीसरी बार राज्यसभा सदस्य बने और सदन में कांग्रेस की ओर से विपक्ष के नेता बने।
- 2004 से 2014- 10 साल तक भारत के प्रधानमंत्री रहे।
- 2019-2024 छठी बार राज्यसभा के सदस्य रहे।

# म्यांमार से रोहिंग्या मुसलमानों के पलायन का खतरा, भारत हुआ अलर्ट

(जयप्रकाश रंजन )

**म्यांमार के आंतरिक हालात पिछले दो हफ्तों में और ज्यादा बिगड़ गए हैं। रखाइन प्रांत में जुंटा सैन्य सरकार के पैर काफी हद तक उखड़ चुके हैं और विद्रोही अराकान आर्मी की पकड़ लगातार मजबूत होने की खबर है। इस अस्थिरता का असर बांग्लादेश एवं म्यांमार सीमा पर दिख रहा है क्योंकि बचे-खुचे रोहिंग्याई मुसलमानों की तरफ से नया पलायन शुरू होने का खतरा है। भारत पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।**

म्यांमार के आंतरिक हालात पिछले दो हफ्तों में और ज्यादा बिगड़ गए हैं। रखाइन प्रांत में जुंटा सैन्य सरकार के पैर काफी हद तक उखड़ चुके हैं और विद्रोही अराकान आर्मी की पकड़ लगातार मजबूत होने की खबर है। इस अस्थिरता का असर बांग्लादेश एवं म्यांमार सीमा पर दिख रहा है क्योंकि बचे-खुचे रोहिंग्याई मुसलमानों की तरफ से नया पलायन शुरू होने का खतरा है। भारत पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

**भारत में दाखिल होने का बढ़ा खतरा-** सूचना है कि पर्दे के पीछे म्यांमार के दोनों विद्रोही संगठनों के साथ ही जुंटा सरकार के साथ भी विमर्श का चैनल खुला रखा गया है। लेकिन हालात जिस तरह से तेजी से बदल रहे हैं उससे भारत के समक्ष दूसरी कई तरह की चुनौतियां आने का खतरा है। इसमें से एक रोहिंग्याई शरणार्थियों के कुछ दलों के भारतीय सीमा की तरफ कूच करने का खतरा ज्यादा बड़ा है।

**म्यांमार की स्थिति पर भारत की निगाहें-** भारत के लिए दूसरा बड़ा खतरा यह है कि म्यांमार की अस्थिरता का फायदा उठाकर कुछ भारत विरोधी तत्व इसकी सीमा से सटे मिजोरम एवं मणिपुर राज्य में सक्रिय होने की कोशिश कर सकते हैं। म्यांमार की स्थिति के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का कहना है, वहां की गतिविधियों पर हम लगातार नजर बनाकर रखे हुए हैं।

**भारत ने वार्ता पर दिया जोर-** म्यांमार के लिए हमारा पक्ष यह है कि वहां पर जितने पक्ष हैं, उन सभी के बीच वार्ता होनी चाहिए, उनके बीच

सकारात्मक विमर्श होना चाहिए ताकि शीघ्रता से वहां शांति लौटे और लोकतंत्र की भी बहाली शीघ्रता से हो। वहां की स्थिति का समाधान म्यांमार केंद्रित व म्यांमारी नागरिकों की तरफ से ही तैयार होना चाहिए। म्यांमार के साथ हमारी लंबी सीमा की स्थिति हमारे लिए खास तौर पर चिंता का कारण है।

**कूटनीतिक चैनल भी सक्रिय-** विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान बहुत ही सधा हुआ है, लेकिन अंदरूनी तौर पर मंत्रालय ने म्यांमार की स्थिति को बेहद गंभीरता से लेते हुए दूसरे कूटनीतिक चैनलों को भी सक्रिय कर दिया है। भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को म्यांमार की स्थिति को लेकर सतर्क करने का काम काफी पहले शुरू कर दिया था।

पूर्वोत्तर में खतरनाक हथियार के पहुंचने का भी जोखिम

एजेंसियों ने म्यांमार में सैन्य विद्रोहियों के पास पहुंच रहे अत्याधुनिक हथियारों के पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय आतंकी संगठनों के पास पहुंचे का खतरा बताया है। यह सूचना भी है कि म्यांमारी विद्रोही संगठन फंड जुटाने के लिए मादक द्रव्यों के कारोबार को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत की यह भी बड़ी चिंता है।

**मजबूत हो रही विद्रोहियों की पकड़-** पिछले हफ्ते (19 एवं 20 दिसंबर) म्यांमार की स्थिति पर इसके पड़ोसी देशों की बैंकाक में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने हिस्सा लिया। सूत्रों के मुताबिक भारत समेत अन्य सभी देश इस बात पर सहमत हैं कि म्यांमार सरकार को विद्रोही संगठनों के साथ बातचीत करनी चाहिए।

मौजूदा सैन्य सरकार के विदेश मंत्री ने इस बैठक में अगले वर्ष चुनाव कराने का वादा भी किया, लेकिन जिस तरह देश के एक बड़े हिस्से पर विद्रोही संगठनों का कब्जा हो चुका है, उसे देखते हुए इस वादे पर भरोसा करना मुश्किल है। ताजा जानकारी के मुताबिक रखाईन प्रांत के 70 में से करीब 45 शहरों पर विद्रोही सैनिकों का कब्जा हो चुका है। सैन्य सरकार की तरफ से चीन की मदद से हर तरह की कार्रवाई करने के बावजूद विद्रोहियों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है।

## वर्ग पहेली 5596

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | | 4 | | 5 | |
| 6 | | | | | | | |
| | | | 7 | | 8 | | 9 |
| 10 | 11 | 12 | | 13 | | 14 | |
| 15 | | | 16 | | | 17 | |
| | | | 18 | | 19 | | |
| 20 | | | | | 21 | 22 | 23 |
| 24 | | | | | 25 | | |

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. भारत के राज्य का प्रथम राज्यपाल होने का गौरव इस महिला को प्राप्त है (7)
6. पहाड़ी ने नीचे की घाटी का मैदान (3)
7. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (उर्दू)(1)
8. यह नेपाल और बिहार में बहने वाली नदी है जिसे नेपाल में सालिग्रामी कहते है (3)
10. दुर्घटना, अनेहानी, विपदा (3)
14. अवनमित, वक्र टेढ़ा (2)
15. जिसके दिल में रहम या करूणा का भाव हो, कृपालु, दयालु (5)
17. शब्दब्रह्म, अर्थ महाकल्प (2)
18. उमंग, मौज, तरंग (3)
20. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
21. पूर्व और उत्तर के मध्य का कोना (3)
24. जल में विचरण करने वाली प्राणी (4)
25. बलमा, प्रेमी, साजन, 1951 की देवानंद और सुरैया अभिनीत एक फिल्म (3)

**ऊपर से नीचे**

1. चिर नवीन, चिरयुवा (5)
2. देह के बाल, रोआं (2)
3. जिस का बहुवचन, एक विलायती मदिरा (2)
4. अम की पहाड़ी जंगलों में रहने वाली एक जाति, अनुपिस्थति, गैर हाजिरी (2)
5. यह टूर्नामेंट एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट ओर दुनिया का तीसरा सबसे पुराना टूर्नामेंट है (5)
9. काजल शब्द का अपभ्रंश (3)
11. ज्वलनशील, जलने वाला (5)
12. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
13. समझौता, संधि, मुआहिदा (3)
16. प्रेमपात्र, माशूक, दिल उड़ा ले जाने वाला (उर्दू)(4)
19. धनवान, धनाढ्य (3)
20. कारण, मंगलोत्सव, बटन का घर (2)
22. तड़क-भड़क, ठाट-बाट, वैभव (2)
23. हल्का गीला, आर्द्र, नमस्कार, त्याग (2)

**वर्ग पहेली 5595 का हल**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | ऊ | दी | अ | र | व | | म |
| ज | ब | न | | क | वा | म | त |
| र | | ए | त | वा | र | | ल |
| | | इ | न | | | बों | बी |
| | गु | ला | ब | | र | बी | |
| | स | ही | द | | | दे | र |
| व | | | न | बी | | ओ | स |
| ह | वा | ना | | | ज | ल | द |

# क्या है डिजिटल डिटॉक्स? माइंड और बॉडी के लिए कितना है फायदेमंद

(सोनू गुप्ता)

युवाओं में स्मार्टफोन और सोशल मीडिया का लत काफी तेजी से बढ़ रहा है। इसके उपयोग से लोगों में मानसिक स्वास्थ्य जैसी परेशानियां काफी तेजी से बढ़ रही है। हालिया कुछ समय में स्मार्टफोन और सोशल मीडिया उपयोग करने से इसके मरीजों की संख्या भी काफी तेजी से बढ़ी है। वहीं, दुनिया में कई ऐसे लोग भी हैं, जो इंटरनेट और डिजिटल स्क्रीन के आदि हो गए हैं।

**क्या है डिजिटल डिटॉक्स** - डिजिटल डिटॉक्स का मतलब डिजिटल डिवाइस से है, जिसमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल है। डिजिटल डिटॉक्स में लोग एक निश्चित समय के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से दूरी बना लेते हैं और कुछ समय के लिए फोन या फिर अन्य डिवाइस को यूज नहीं करते हैं। डिजिटल डिटॉक्स करने से मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य काफी बेहतर होता है।

**कैसे करें डिजिटल डिटॉक्स?-** मालूम हो कि डिजिटल डिटॉक्स एक बेहतरीन आइडिया है, जो डिजिटल और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। डिजिटल डिटॉक्स करने के लिए आप आप सप्ताह में एक दिन किसी विकेंड या फिर कुछ घंटे का चयन कर सकते हैं। इस दिन आप अपने फोन सहित अन्य उपकरणों को बंद कर अपने या फिर अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। आप इस दौरान अपने फोन को अन्य जगहों पर रख सकते हैं।

**डिजिटल डिटॉक्स के क्या है फायदे-** डिजिटल डिटॉक्स करने से मन को शांति मिलती है। दरअसल, इसका फोन का उपयोग करने से इसकी नीली रोशनी नींद पर भी असर डालती है। डिजिटल डिटॉक्स करने से बेहतर नींद आती है। वहीं, जब आप अपने साथ साथ समय बिताते हैं तो आपके संबंध भी बेहतर होते हैं। इससे आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

## आज का राशिफल

**मेष**

आज दिन बेहद खास है। आपका दिन लाभ से भरा होगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होने से मन प्रसन्न रहेगा। भूमि और जायदाद से जुड़े कामों में अच्छा मुनाफा होगा। पिता के आशीर्वाद से आपका हर काम सफल होगा और आपके लिए तरक्की के योग हैं।

**वृष**

आज ग्रहों की स्थिति थोड़ी चुनौतीपूर्ण है। आपको हर काम में सफलता मिलेगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको साहसी बनाएगी, जिससे आप अपने काम पूरे कर पाएंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। शाम से रात तक किसी अच्छे वाहन से यात्रा का योग है।

**मिथुन**

आज आज अपनी बातों का ध्यान रखना चाहिए। किसी को बुरा ना लगे, इसका ख्याल रखें। अपनी जरूरतें खुलकर बताएं। अगर आपका पैसा कहीं फंसा है तो आज मिल सकता है। सोच-समझकर लिए गए फैसले फायदेमंद रहेंगे।

**कर्क**

आज आज छोटे भाई-बहनों का साथ नहीं मिलेगा। अपने स्वभाव पर ध्यान दें और मेहनत से काम करें। ऐशो-आराम की चीजों पर खर्चा ज्यादा होगा। दुश्मन आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे।

**सिंह**

आज मन में दान-पुण्य की भावना बढ़ेगी। आप ज्यादातर समय धार्मिक कामों में बिताएंगे। आत्मविश्वास से किए गए कामों में सफलता मिलेगी। रुके हुए काम थोड़ा खर्च करके पूरे हो सकते हैं। नई योजनाओं पर काम शुरू होगा।

**कन्या**

आज दिन भाग्यशाली है। अगर आपकी तबीयत खराब चल रही थी तो उसमें सुधार होगा। बच्चों से अच्छी खबर मिल सकती है। भतीजे से मदद मिलने के योग हैं।

**तुला**

आज पढ़ाई में आपकी रुचि बढ़ेगी। नई चीजें सीखने में कामयाब होंगे। आप अपनी बातों को सही साबित कर पाएंगे। माता-पिता और गुरु का सम्मान करें। शाम के समय चोरी या चोट लगने से बचें। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

**धनु**

आज ज्ञान में वृद्धि होगी। मेहनत से आपकी मनोकामना पूरी होगी। सरकार से आपको सम्मान मिल सकता है। शाम को धार्मिक कार्यों में समय बिताएंगे। शुभ कार्यों पर खर्च होगा और आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**कुंभ**

आज कमाई बढ़ाने की कोशिशें सफल होंगी। अच्छे तरीकों से धन लाभ होगा। आज का दिन भाग्यशाली है। हर क्षेत्र में फायदा होगा। दोस्तों का साथ मिलेगा और नए दोस्त भी बनेंगे। कहीं से कोई मिलने आपके घर आ सकता है और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

**वृश्चिक**

आज आमदनी से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। बच्चों के अच्छे कामों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप अपने धैर्य और बुद्धि से दुश्मनों पर जीत हासिल करेंगे। शाम से रात तक किसी प्रिय व्यक्ति से मिलकर मन खुश रहेगा।

**मकर**

आज पुराने खजाने या पूर्वजों से धन मिल सकता है। आपकी रुचि तंत्र-मंत्र में बढ़ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह ना दें। रात में धार्मिक कामों में समय बिताएंगे, जिससे मन शांत रहेगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

**मीन**

आज संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। ननिहाल से सम्मान मिलेगा। पत्नी और उसके परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। नौकरी में दुश्मन आपकी चुगली कर सकते हैं, जिससे शाम को परेशानी हो सकती है। अपने गुरु के प्रति श्रद्धा रखें।

## संक्षिप्त समाचार

### डीजीसीए का सख्त ऐक्शन; अकासा एयर के 2 निदेशकों को कर दिया निलंबित, क्या रही वजह

**नईदिल्ली, एजेंसी।** विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने शुक्रवार को अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया। पायलटों की ट्रेनिंग में चूक मामले को लेकर यह कदम उठाया गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अपने आदेश में कहा, राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के 2 सीनियर अधिकारी नागर विमानन से जुड़े प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। डीजीसीए ने अकासा एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को क्रमशः 15 अक्टूबर और 30 अक्टूबर को कारण बताओ नोटिस भेजा था। आरोपी अधिकारियों की ओर से भेजे गए जवाब को असंतोषजनक पाते हुए डीजीसीए ने उन्हें छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दे दिया। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी। अकासा एयर ने इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसकी ओर से जारी नियमों का पालन करेगी। एयरलाइन ने बयान में कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में लेखा-परीक्षण किया गया। इस दौरान पाया गया कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिम्यूलेटर पर आयोजित किया जा रहा है, जो इसके लिए योग्य नहीं हैं।

### परिवार की इच्छा का रखें ख्याल, मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर सियासत पर बोलीं मायावती

**नईदिल्ली, एजेंसी।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को निगम बोध घाट पर होगा। सरकार के इस फैसले से कांग्रेस नाराज है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन करके डॉ.मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की थी। इसके जवाब में सरकार की तरफ से स्थल पर विचार करने के लिए दो-चार दिन का समय मांगा गया। अब कांग्रेस के नेता आरोप लगा रहे हैं कि सरकार ने उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर करने की मांग की गई थी, जहां उनकी उनका स्मारक बनाया जा सके। इस बीच बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि इस मामले में सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार और सिख समाज की इच्छा का ख्याल रखना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा-केन्द्र सरकार देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डा. मनमोहन सिंह के देहान्त होने पर उनका अन्तिम संस्कार वहाँ कराये तथा उनके सम्मान में भी स्मारक आदि वहीं बनवाये जहाँ उनके परिवार की दिली इच्छा है। उन्होंने आगे लिखा-अर्थात् इसके लिए कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं है और इन मामलों में केन्द्र सरकार इनके परिवार की व सिख समाज की भी भावनाओं का जरूर सम्मान करे तो यह उचित होगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने स्मारक बनाने की मांग करते हुए पत्र भी लिखा था। सूत्रों ने कहा है कि स्मारक बनाने का निर्णय कांग्रेस को बता दिया गया है।

### कांकेर में तेज रफ्तार का कहर, 2 लड़कियों समेत 5 छात्रों की मौत; दुर्ग में ट्रेन के आगे कूदा प्रेमी जोड़ा

**कांकेर/दुर्ग, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर दो दर्दनाक हादसा सामने आया है। कांकेर में सड़क हादसे में 2 लड़कियों समेत 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, दुर्ग जिले में एक प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के अंतागढ़ में सड़क हादसे में शुक्रवार को पांच लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन युवक और दो युवतियों की मौत हो गई है। सभी कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उधर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े ने आत्महत्या कर ली। प्रेमी जोड़े ने गुरुवार देर रात मुंबई हावड़ा रेल मार्ग पर गीतांजलि एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक युवती की पहचान चरोदा की रहने वाली श्रेया फर्नांडिस और युवक का नाम सेक्टर-9 का निवासी राहुल सिंह है।

# क्या कोई दलित हो सकता है भाजपा का नया अध्यक्ष?

**नईदिल्ली , एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चल रहे आंतरिक संगठन चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अगले साल फरवरी के अंत तक एक नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है। फिलहाल बूथ, जिला और मंडल अध्यक्षों का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नये प्रदेश अध्यक्षों का चयन किये जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी तक कम से कम आधे राज्यों में नए प्रमुख मिलने की संभावना है। इसके बाद, भाजपा जगत प्रकाश नड्डा की जगह नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि जो नया अध्यक्ष बनेगा उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाप और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन होगा। हालाँकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बढ़ती भागीदारी के साथ, जैसा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में देखा गया था, आरएसएस का समर्थन और एक मजबूत संगठनात्मक पृष्ठभूमि भी आवश्यक है। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चयन को लेकर मोदी-शाह और आरएसएस के बीच तालमेल बनाए रखने के अलावा, बीजेपी नेतृत्व नए बीजेपी प्रमुख को चुनते समय जाति कारक पर भी विचार करेगा।

सूत्रों के अनुसार, यह देखते हुए कि नड्डा एक ब्राह्मण हैं और मोदी अन्य

पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) से हैं, और बी आर अंबेडकर की वर्तमान प्रमुखता को देखते हुए, भाजपा एक दलित प्रतिनिधि को चुन सकती है। एक दलित मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, कांग्रेस तर्क तैयार कर रही है कि भाजपा दलितों के खिलाफ है। ऐसे में भाजपा का ये कदम उसके लिए प्रभावी साबित हो सकता है। अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर संसद में हुए विवाद के बाद बीजेपी के लिए विपक्ष को शांत करने के लिए एक दलित नेता की नियुक्ति सबसे कारगर तरीका हो सकता है।

नेताओं ने स्वीकार किया है कि चयन पूल उन दलित नेताओं के संदर्भ में प्रतिबंधित है जिनके पास एक मजबूत संगठनात्मक आधार और आरएसएस का समर्थन है। इस संदर्भ में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम और उत्तर प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य हो सकते हैं। उम्र भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई पीढ़ी के नेताओं को बढ़ावा न देने के लिए भाजपा के वर्तमान नेतृत्व की आलोचना की गई है, और एक युवा पार्टी प्रमुख की नियुक्ति एक सुधारात्मक उपाय के रूप में काम कर सकती है। अब तक, इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े शामिल हैं।

### किसानों का 30 दिसंबर को 'पंजाब बंद' का ऐलान, सड़क, रेल समेत इन सेवाओं पर पड़ेगा असर

**पटियाला, एजेंसी।** न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे किसानों ने किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले पंजाब बंद का ऐलान किया है। समिति के नेता श्रवण सिंह पंढेर ने गुरुवार को कहा कि 30 दिसंबर को पंजाब बंद का आह्वान किया गया है। इस बंद में हमें विभिन्न लोगों और समूहों का समर्थन मिल रहा है। खन्नूर बॉर्डर पर मीडिया से बात करते हुए पंढेर ने कहा कि पंजाब बंद 30 दिसंबर की सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक मनाया जाएगा। हमें कई यूनियनों और समूहों से समर्थन मिल रहा है। 30 तारीख को पूरे दिन पंजाब में सरकार और निजी कार्यालय दोनों बंद रहेंगे। इसके अलावा रेल और सड़क यातायात भी रोका जाएगा। इससे पहले मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार पर किसानों की तरफ ध्यान न देने को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिद छोड़कर किसानों के साथ बातचीत का रास्ता निकालना चाहिए।पीएम मोदी पर तंज कसते हुए सीएम मान ने सवाल पूछा कि अगर वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को रोक सकते हैं तो क्या 200 किलोमीटर दूर बैठे रोटी कमाने वालों से बात नहीं कर सकते? मुख्यमंत्री मान से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि केंद्र सरकार को अपनी पुरानी जिद छोड़ देना चाहिए और किसान संगठनों के साथ बातचीत का रास्ता खोलना चाहिए.. कबूतर के आंख मारने से बिल्ली नहीं भागती.. पता नहीं केंद्र सरकार कौन सी तपस्या कर रही है? अगर मोदी जी रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को रोक सकते हैं तो क्या वह 200 किलोमीटर दूर बैठे अन्नदाताओं से बात नहीं कर सकते। हरियाणा सीमा के पास संगरूर जिले के खनौरी बॉर्डर पर पंजाब के किसानों द्वारा आयोजित किया गया विरोध प्रदर्शन पिछले 328 दिनों से जारी है। वह किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले लगातार न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए कानून बनाने समेत अपनी कई मांगों को लेकर सरकार पर दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। उनका यह विरोध प्रदर्शन 13 फरवरी 2024 से जारी है।

## कुकी आतंकवादियों का निर्दोष लोगों पर हमला कायरतापूर्ण : सीएम बीरेन सिंह

**इंफाल , एजेंसी।** मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को इंफाल ईस्ट जिले के दो गांवों में कुकी उग्रवादियों की ओर से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की निंदा की। उन्होंने कहा ये राज्य की सुख शांति बिगाड़ने का प्रयास है। हिंसा के मद्देनजर शांति और एकता की अपील करते हुए बीरेन सिंह ने कहा कि स्थिति को संभालने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷इंफाल पूर्व के सनसाबी और थमनापोकपी में कुकी आतंकवादियों की ओर से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। निर्दोष जिंदगियों पर यह कायरतापूर्ण और अकारण हमला शांति और सद्भाव पर हमला है।÷ उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ÷प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता मिल रही है, और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और सद्भाव का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटते समय केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस को उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए।÷ शुक्रवार को सशस्त्र समूहों के साथ गोलीबारी के दौरान एक पुलिस अधिकारी सहित दो लोग घायल हो गए। हिंसा तब भड़की जब पहाड़ों से हथियारबंद लोगों ने जिले के सनसाबी और थमनापोकपी गांवों पर बंदूक और बम से हमला किया। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। सनसाबी गांव में झड़प के दौरान दो लोग घायल हो गए। वहीं 37 वर्षीय पुलिस अधिकारी के हरिदास को बाएं कंधे में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया। हमले के कारण अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग गए। मणिपुर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सिद्धार्थ मृदुल ने बीते मंगलवार को कहा, ÷जब भी मणिपुर में स्थिति बेहतर होती दिखती है, तो नई हिंसा भड़क जाती है।

### श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर फंसे लोगों की मदद के लिए उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों को दिए निर्देश

**श्रीनगर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बर्फबारी के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर फंसे लोगों की मदद के लिए शुक्रवार को अधिकारियों को निर्देश दिए। बर्फबारी के कारण राजमार्ग पर कई वाहन फंस गए हैं। यह राजमार्ग घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है। अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''काजीगुंड और सुरंग के बीच सड़क की वर्तमान स्थिति के बारे में डीसी अनंतनाग से बात की। बर्फीले मौसम के कारण यातायात बाधित हो गया है। दोनों दिशाओं में फंसे वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं और जहां आवश्यक है वहां सहायता की जा रही है।'' उन्होंने कहा कि उपायुक्त अपनी टीम के साथ मौके पर हैं और स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, '' मैंने उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि परिवारों और बच्चों को ले जाने वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अगर जरूरत पड़ी तो रात भर रहने की व्यवस्था की जाएगी...।'' इससे पहले मुख्यमंत्री जम्मू से राजमार्ग के रास्ते यहां आए और कहा कि सड़क की स्थिति काफी खतरनाक है। उन्होंने कहा, ''बनिहाल से श्रीनगर तक लगातार बर्फबारी हो रही थी। स्थिति काफी खतरनाक थी।

# करावल नगर विधानसभा सीट पर निर्णायक भूमिका में रहे हैं उत्तराखंड और पूर्वांचल के वोटर्स, दिलचस्प होगा मुकाबला

**नईदिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में अगले साल होने जा रहे चुनाव में करावल नगर विधानसभा सीट पर मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र में उत्तराखंड और पूर्वांचल से बड़ी संख्या में आये प्रवासी मतदाता अपना प्रभाव रखते हैं। करावल एक तरफ यूपी बॉर्डर से सटी हुई है। तो वहीं, दूसरी तरफ इसका एक बड़ा हिस्सा यमुना खादर से लगा हुआ है। इस विधानसभा के तहत सभापुर, चौहान बांगर, सादतपुर और बदरपुर खादर सहित कई अन्य गाँवों के अलावा एक दर्जन से अधिक अवैध कॉलोनियां आती हैं। इस विधानसभा के 80 प्रतिशत क्षेत्र के तहत आने वाली अवैध कॉलोनियों में रहते हैं। इसलिए इनकी चुनावी जीत हार में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

**कई बड़े क्षेत्र हैं शामिल :** इस विधानसभा के तहत आने वाले कई बड़े गांवों के अलावा सोनिया विहार, भगत सिंह कॉलोनी, खजूरी, सादतपुर एक्सटेंशन, अणुव्रत विहार, मुकुंद विहार, तुकमीरपुर एक्सटेंशन, दयालपुर एक्सटेंशन और श्रीराम कॉलोनी सहित एक दर्जन से अधिक कॉलोनियां आती हैं। क्षेत्र में 2.98 लाख वोटर्स में से लगभग 1.80 लाख पूर्वांचल वोटर हमेशा से ही निर्णायक भूमिका में रहे हैं। इसके अलावा 20,000 उत्तराखंड के वोटर्स भी हैं।

**करवाल की जीत और हार में किसकी भूमिका :** करावल के तहत आने वाली अवैध कॉलोनियों में 80 प्रतिशत आबादी रहती है। यहां टोटल वोटर्स में से पूर्वांचल के मतदाताओं की संख्या 60 फीसदी

के करीब बताई जाती है। इसलिए इसे पूर्वांचल वोटर्स बाहुल्य वाली सीट माना जाता है। किसी भी उम्मीदवार ही जीत हार में पूर्वांचल वोटर्स हमेशा से ही निर्णायक भूमिका में रहे हैं। इसके अलावा यहां उत्तराखंडी और वेस्टर्न यूपी के वोटर्स की संख्या भी अच्छी खासी है। इसलिए 1993 से लेकर अब तक पूर्वांचल वोटर्स फैक्टर ही हावी रहा है। यहाँ आबादी के हिसाब से विकास नहीं हो पाया है। ज्यादातर कॉलोनियों के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी गंदे पानी की निकासी को बड़े मुद्दे के रूप में देखा जा रहा है। इस वजह से निचले इलाकों में गंदा पानी जमा रहता है। इसके अलावा की इलाकों में पीने का पानी आज तक भी लोगों के घरों तक नहीं पहुंच पाया। लोग टैंकर के भरोसे रहते हैं। क्षेत्र में मेडिकल सुविधाओं का अभाव है। सोनिया विहार साइड में क्षेत्र के एक बड़े हिस्से को सिंगल रोड वजीराबाद रोड से जोड़ती है। इस रोड को लंबे समय से डबल किए जाने की मांग की जा रही है। विधानसभा चुनाव में यहां छह बार बीजेपी और एक बार आम आदमी पार्टी चुनाव जीती है। सबसे पहले यहां रामपाल करहाना ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीता था। इसके बाद 1998 से 2013 तक लगातार बीजेपी के मोहन सिंह बिष्ट चुनाव जीतते आ रहे हैं।

## हाथरस केस: राहुल गांधी को 1.5 करोड़ का मानहानि नोटिस, बरी लड़कों के वकील ने लगाया गंभीर आरोप

**हाथरस, एजेंसी।** हाथरस केस में रेप के आरोपों से बरी हुए रवि, लवकुश और राम कुमार उर्फ रामू के वकील मुन्ना सिंह पुंढीर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 1.5 करोड़ रुपये का लीगल नोटिस भेजा है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले दिनों हाथरस रेप केस की पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की थी. उन्होंने इस मुलाकात का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर पोस्ट किया था. इस वीडियो में किए गए दावे के आधार पर कांग्रेस सासंद राहुल गांधी को मानहानि का नोटिस दिया गया है.

इस वीडियो राहुल गांधी ने हाथरस कांड में बरी हो चुके तीन निर्दोष लोगों को गैंगरेप का आरोपी बताया था. इसका विरोध करते हुए बरी लोगों के वकील ने राहुल गांधी को डेढ़ करोड़ रुपये का मानहानि का नोटिस भेजा है. अधिवक्ता मुन्ना सिंह पंढीर ने नोटिस में कहा कि बूलगढ़ी कांड की जांच सीबीआई ने की. इसको लेकर आरोप-

पत्र दाखिल कर दिया गया है. तीन आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है.

वकील मुन्ना सिंह पंढीर ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजनीति के लिए देश की न्यायिक प्रणाली का अपमान कर रहे हैं. वो अदालत के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि हाथरस में रेप पीड़िता के परिवार को घर में बंद रखना और गैंगरेप के आरोपियों का खुलेआम घूमना बाबा साहब के संविधान के खिलाफ है. उनका यह बयान पूरे देश में ङ्क के माध्यम से वायरल हो रहा है.

वकील मुन्ना सिंह पंढीर ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी के अपने बयान से अदालत के फैसले के बाद भी उनके मुवक्किलों के कैरेक्टर पर उंगली उठायी है, जो अपराध है. नोटिस की प्राप्ति के पंद्रह दिनों के भीतर उनके तीनों मुवक्किलों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा दें. अन्यथा राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाथरस से वापसी के बाद यह मामला संसद में भी उठाया था. राहुल ने दावा किया था कि पीड़ित परिवार से जो भी वायदे किए गए थे, उनमें से कोई पूरा नहीं किया गया. हाथरस में सितंबर 2020 में दलित युवती के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया था. दिल्ली के अस्पताल में इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया था. पुलिस ने आधी रात बिना परिवार की सहमति के उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया था. इलाके के ही चार युवकों पर दरिंदगी का आरोप लगा था.

## मैं थोड़ी राजनीति समझने लगा हूं, यमुना पर वोट नहीं मिलेंगे: अरविंद केजरीवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मानना है कि दिल्लीवाले यमुना के मुद्दे पर वोट नहीं करते हैं। हालांकि, उन्होंने वादा किया है कि यमुना को अगले पांच साल में साफ कर दिया जाएगा। 2020 में भी किए इस वादे को पूरा नहीं कर पाने की बात स्वीकार कर चुके केजरीवाल ने कहा है कि अब काफी काम हो चुका है और जल्द ही यमुना को साफ कर लिया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में यमुना को लेकर अपनी बात विस्तार से की। उनसे जब कहा गया कि यदि वह यमुना साफ कर देते हैं तो उनको हराना मुश्किल होगा क्योंकि लोग देखेंगे कि जो यमुना इतने दिनों से प्रदूषित थी वह साफ हो गई? इसके जवाब में केजरीवाल ने कहा कि यमुना वोट का मुद्दा नहीं। उन्होंने कहा, मैं अब थोड़ी बहुत पॉलिटिक्स समझने लगा हूं, यमुना पर वोट नहीं मिलेंगे। लेकिन फिर भी मैं यमुना साफ करूंगा। क्योंकि मैं यहां वोट की राजनीति करने नहीं आया हूं। वोट की राजनीति तो ये लोग कर ही रहे थे। सत्ता से पैसा, पैसे से सत्ता कर ही रहे थे। मैं वो करने नहीं आया। जब मैं स्कूल बनवाता हूं यह नहीं देखता कि स्कूल से वोट मिलेंगे कि नहीं। जब मैं

अस्पताल बनवाता हूं यह नहीं देखता कि इसकी वजह से वोट मिलेंगे कि नहीं। मैं काम करता हूं क्योंकि मैं काम करने आया हूं। जनता और देश के लिए काम करने में मुझे मजा आता है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, यमुना साफ हो सकती है और यमुना साफ होकर रहेगी। यमुना वजीराबाद तक साफ होती है, पल्ला तक आती है उसके बाद उसमें दिल्ली का सारा सीवर गिरने लगता है। इधर से शाहदरा ड्रेन आती है जो यूपी का गंदा पानी लेकर आती है।

## हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने कांग्रेस को दिया झटका, अब ईवीएम से ही होंगे निकाय चुनाव

**चंडीगढ़, एजेंसी।** हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि निकाय चुनाव ई.वी.एम. से ही होंगे। हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कुछ दिन पहले कहा था कि पार्टी को ई.वी.एम. पर कोई भरोसा नहीं है, इसलिए निकाय चुनाव बैलेट पेपर से करवाए जाने चाहिए। राज्य चुनाव आयुक्त कहा कि किसी भी राजनीतिक दल ने इस मांग को लेकर कोई मांगपत्र नहीं दिया है। राज्य में शहरी निकाय चुनाव ई.वी.एम. से ही होंगे। राज्य चुनाव आयोग को एम-टू ई.वी.एम. मिली हैं, जिनका प्रयोग पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में किया गया था। उन्होंने इस बात को खारिज किया कि ई.वी.एम. में किसी तरह की छेड़छाड़ की जा सकेगी। जून 2022 में शहरी निकाय और अक्तूबर-नवम्बर 2022 में पंचायत चुनाव भी ई.वी.एम. के माध्यम से ही कराए गए थे।

6 जनवरी तक मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन सुनिश्चित करें राज्य चुनाव आयुक्त ने शहरी निकाय चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सभी जिला उपायुक्तों से कहा है कि वे 6 जनवरी तक हर हाल में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन सुनिश्चित कर लें, ताकि चुनाव कार्यक्रम घोषित करने में किसी तरह का विलंब नहीं हो सके। धनपत सिंह

ने बताया कि 27 शहरी निकायों में वार्डबंदी और आरक्षण की प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। वोटर लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया जिला उपायुक्तों के माध्यम से पूरी की जा रही है। पहले चरण में गुरुग्राम, फरीदाबाद व मानेसर के सामान्य तथा अम्बाला व सोनीपत नगर निगमों के उपचुनाव होंगे। रोहतक और हिसार नगर निगमों में वार्डबंदी का काम हालांकि पूरा हो चुका है, लेकिन करनाल, यमुनानगर, पानीपत के साथ इन दोनों नगर निगमों के चुनाव दूसरे चरण में करवाए जाएंगे। राज्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि थानेसर नगर परिषद की वार्डबंदी का काम पूरा हो गया है, लेकिन इसके चुनाव दूसरे चरण में होंगे।

कालांवाली के चुनाव भी दूसरे चरण में होंगे, जबकि सोहना के उपचुनाव पहले चरण में कराए जाएंगे। सोहना का केस हाईकोर्ट में चल रहा था, जो कि पीड़ित के पक्ष में नहीं गया है। अम्बाला, पटौदी, जाखल मंडी और सिरसा नगर परिषदों के चुनाव पहले चरण में होंगे। निकाय चुनाव से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों पर रोक हरियाणा में निकाय चुनाव से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर प्रदेश सरकार ने रोक लगा दी है। मतदाता सूचियों को अंतिम रूप देने में जुटे किसी कर्मचारी-अधिकारी को अब स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। स्थानांतरण जरूरी हुआ तो हरियाणा राज्य चुनाव आयोग से अनुमति के बाद ही ऐसा किया जाएगा। मुख्य सचिव कार्यालय की राजनीतिक शाखा ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्ड-निगमों के प्रबंध निदेशक, मंडलायुक्त और उपायुक्तों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

## 6-7 बार आउट कर सकता था लेकिन...जसप्रीत बुमराह ने सैम कॉन्स्टस पर तोड़ी चुप्पी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई बैटिंग सेंसेशन सैम कॉन्स्टस को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ दी है. उन्होंने कॉन्स्टस की तूफानी पारी और उनसे छक्के खाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है. मेलबर्न में जारी बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन कॉन्स्टस ने 60 रनों की पारी खेली थी. उन्होंने बुमराह के खिलाफ 2 छक्के लगाए थे. इसी चीज को लेकर खेल के तीसरे दिन बुमराह से सवाल किए गए. उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें 19 साल के इस युवा ओपनर के खिलाफ गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी. इस पर बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को जबरदस्त जवाब दिया है.

जसप्रीत बुमराह ने खेल के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई चैनल 7 क्रिकेट से बात की. इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या कॉन्स्टस ने उन्हें परेशान कर दिया था और गेंदबाजी करने में दिक्कत आ रही थी. इस पर बुमराह ने पलटकर तुरंत करारा जवाब दिया. उन्होंने कहा कि 'मुझे टी20 का काफी अनुभव है. पिछले 12 सालों से इस फॉर्मेट को खेल रहा हूं और कई दिलचस्प बल्लेबाजों का सामना किया है. मुझे लगा कि मैं हर समय गेम हूं. ऐसा कभी नहीं लगा कि उनका विकेट चटकाने से दूर हूं. बल्कि पहले दो ओवर 6-7 बार आउट कर सकता था. लेकिन आपको पता है क्रिकेट ऐसा होता है. किसी दिन आप सफल होते हैं और किसी दिन नहीं. मुझे अलग-अलग चैलेंज पसंद है और मैं हमेशा इसकी तलाश में रहता हूं.'

जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के इस दौर पर काफी घातक रहे हैं. वो सीरीज में अब तक सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं. उनके प्रदर्शन को लेकर पूछा गया कि 'क्या आपको लगता है कि ऐसी गेंदबाजी आपने पहले कभी नहीं की?' इस पर उन्होंने जवाब दिया कि 'मैं इस तरह चीजों को नहीं देखता. हां, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और रिजल्ट मेरे पक्ष में रहे हैं. लेकिन पहले भी मैं अलग-अलग जगहों पर अच्छी गेंदबाजी की है. क्रिकेट में इसी तरह चलता है कभी आपका एक्जिक्यूशन ठीक नहीं होता फिर भी सफलता मिल जाती है. वहीं कभी सब सही करने पर भी सफलता नहीं मिलती है.'

## मैग्नस कार्लसन ने किया ड्रेस कोड का उल्लंघन

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** पांच बार के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन पर फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद पहले जुर्माना लगाया गया और बाद में उन्हें विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज से बाहर कर दिया गया।

गत चैम्पियन कार्लसन पर जींस पहनने के कारण 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना है। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। उन्होंने अगले दिन ड्रेस कोड का पालन करने पर रजामंदी जताई लेकिन कहा कि वह तुरंत नहीं बदलेंगे। फिडे ने एक बयान में कहा कि ड्रेस कोड के नियम खिलाड़ियों को भली भांति बता दिए गए थे। फिडे ने एक्स पर साझा किये गए बयान में कहा, ड्रेस कोड के नियम फिडे खिलाड़ियों के आयोग के सदस्यों ने बनाये हैं जिसमें पेशेवर खिलाड़ी और विशेषज्ञ हैं। ये नियम बरसों से हैं और सभी प्रतिभागियों को इसके बारे में भली भांति पता है।

हर टूर्नामेंट से पहले उन्हें इसकी जानकारी दी जाती है। इसमें कहा गया, फिडे यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों के रहने का स्थान आयोजन स्थल के बहुत पास हो ताकि उन्हें नियमों का पालन करने में सुविधा हो।

इसमें कहा गया, मैग्नस कार्लसन ने जींस पहनकर ड्रेस कोड के नियम का उल्लंघन किया। इतने लंबे समय से चले आ रहे नियमों में यह साफ है कि जींस पहनना निषिद्ध है। मुख्य पंचाट ने कार्लसन को इसके बारे में बताया और 200 डॉलर का जुर्माना लगाया। उनसे कपड़े बदलने का अनुरोध किया गया जो उन्होंने नहीं माना।

# ऑस्ट्रेलिया में रेड्डीराज

## ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर नीतीश कुमार ने जड़ा ऐतिहासिक शतक

### भारत के सभी बल्लेबाज छूटे पीछे

**नईदिल्ली, एजेंसी।** नीतीश कुमार रेड्डी क्रिकेट की दुनिया में नाम नया है, लेकिन कारनामा बड़ा करके दिखाया है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट मैच में वह शतक जड़ने में कामयाब रहे. नीतीश रेड्डी की ये पारी एक अहम मौके पर आई. वह जब बल्लेबाजी करने उतरे तो टीम इंडिया ने 191 रन पर ही 6 विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद नीतीश रेड्डी ने टीम इंडिया की पारी को संभालने का काम किया और मैदान के चारों ओर रन भी बनाए.

ये उनके इंटरनेशनल करियर का पहला शतक है. उन्होंने इस पारी से ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. नीतीश रेड्डी ने इस सीरीज के पहले मुकाबले से ही दमदार खेल दिखाया है और हर अहम मौके पर टीम इंडिया के लिए रन बनाए हैं. मेलबर्न में भी उन्होंने ऐसे समय पर रन बनाए जब टीम इंडिया पर फॉलो ऑन का खतरा मंडरा रहा है. वह इस मैच में 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे, ऐसे में उनके साथ कोई भी फुल टाइम बल्लेबाज नहीं था. इन सब के बावजूद उन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई बॉलिंग अटैक का जमकर सामना किया और एक यादगार शतक जड़ा. उन्होंने 100 रन तक पहुंचने के लिए 171 गेंदें लीं. बता दें, नीतीश कुमार रेड्डी ने इस शतकीय पारी के साथ ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर इतिहास भी रच दिया है.

वह नंबर-8 या उससे नीचे खेलकर ऑस्ट्रेलिया में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं. वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नंबर-8 पर खेलकर शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय हैं. इससे पहले रिद्धिमान साहा भी ये कारनामा कर चुके हैं. हालांकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये शतक भारत में लगाया था.

### बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक जड़ने वाले सबसे युवा भारतीय

नीतीश कुमार रेड्डी इसी के साथ बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय भी बन गए हैं. नीतीश ने ये कारनामा 21 साल 216 दिन की उम्र में किया है. वहीं, इससे पहले कार्ल हूपर ने 21 दिन 011 दिन की उम्र में बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक लगाया था.

### वॉशिंगटन ने खेली सुंदर पारी

मेलबर्न टेस्ट का तीसरा दिन नीतीश कुमार रेड्डी के नाम रहा. वह एक शानदार शतक जड़ने में कामयाब रहे. वहीं, वॉशिंगटन सुंदर ने भी टीम के लिए अहम पारी खेली. इन दोनों खिलाड़ियों के बीच एक शानदार शतकीय साझेदारी देखने को मिली. इस जोड़ी के चलते भारतीय टीम पूरे दिन बल्लेबाजी करने में कामयाब रही.

वॉशिंगटन सुंदर एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया में बड़ी पारी खेलने में कामयाब रहे. उन्होंने 2020-21 ऑस्ट्रेलिया दौरे की यादों को दोहराते हुए मेलबर्न में एक बेहतरीन अर्धशतक जड़ा. वॉशिंगटन सुंदर के बल्ले से इस पारी में महत्वपूर्ण रन देखने को मिले. उन्होंने 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 162 गेंदों का सामना किया और 50 रन बनाए. वॉशिंगटन सुंदर ने अपनी इस पारी में सिर्फ 1 चौका ही जड़ा, जो बताता है कि उन्होंने कितना संभलकर बल्लेबाजी की. इसी के साथ वह ऑस्ट्रेलिया में नंबर 9 पर खेलते हुए अर्धशतक जड़ने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने. वहीं, 16 साल बाद किसी भारतीय बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया में नंबर 9 पर खेलकर अर्धशतक लगाया. इससे पहले हरभजन सिंह ने 2008 में दो बार ऐसा किया था. वहीं, 1991 में मेलबर्न में किरण मोरे ने भी इसी नंबर पर खेलते हुए अर्धशतक लगाया था. वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेड्डी ने कमाल की बल्लेबाजी की और 8वें विकेट के लिए 127 रन जोड़े. नीतीश और सुंदर की साझेदारी की बदौलत भारत फॉलोऑन के खतरे से बच गया. ये सिर्फ तीसरा ही मौका था जब भारत की किसी जोड़ी ने 8वें विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया में शतकीय साझेदारी की. वहीं, ऑस्ट्रेलिया में ये सिर्फ दूसरा मौका था जब भारत के 8वें और 9वें नंबर के बल्लेबाजों ने एक ही पारी में 50+ रन बनाए. इससे पहले 2008 में अनिल कुंबले और हरभजन सिंह ने ये कमाल किया था.

### 350 रन के पार टीम इंडिया

तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 358 रन बनाने में कामयाब रही. नीतीश कुमार रेड्डी अभी तक 105 रन बनाकर नाबाद है और मोहम्मद सिराज 2 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं.

## रोहित-विराट बाहर हों न हों, ये शतकवीर जरूर टीम से बाहर होगा!

**मेलबर्न, एजेंसी।** मेलबर्न टेस्ट में भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा एक बार फिर से फेल रहे. दोनों ही बल्लेबाजों का इस सीरीज में अभी तक बल्ला खामोश रहा है. विराट कोहली के बल्ले से पर्थ टेस्ट में सिर्फ एक शतक निकला था इसके बाद वे इस दौरे पर कोई कमाल नहीं कर पाए हैं. वहीं कप्तान रोहित शर्मा के बल्ले से तो एक हाफ सेंचुरी तक नहीं निकली है.

उनकी कप्तानी भी निशाने पर है. दोनों दिग्गजों की फॉर्म टीम इंडिया के लिए टेंशन बनी हुई है. दोनों को टीम से बाहर करने की भी मांग उठ रही है. दूसरी ओर जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो भारत की बॉलिंग में भी धार देखने को नहीं मिल रही है. अब चाहे रोहित और विराट टीम से बाहर हो ना हो लेकिन मेलबर्न का एक 'शतकवीर' जरूर अब टीम इंडिया से बाहर हो सकता है.

यहां बात हो रही है मोहम्मद सिराज की. सिराज पर लगातार खराब प्रदर्शन के चलते टीम से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है. मोहम्मद सिराज के लगातार खराब प्रदर्शन के चलते भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उन्हें टीम से बाहर करने की मांग उठाई हैं. मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 122 रन खर्च करके बिना कोई विकेट लेने वाले सिराज पर गावस्कर ने जमकर निशाना साधा है. भारतीय दिग्गज ने कहा है कि सिराज से सीधे कहो कि तुम्हे टीम से बाहर कर रहे हैं.

### सिराज के खराब प्रदर्शन पर भड़के गावस्कर

सुनील गावस्कर नेबातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि सिराज को शायद थोड़े आराम की जरूरत है. इस मायने में, मैं आराम की बात नहीं कर रहा हूं, उन्हें यह बताया जाना चाहिए कि उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर रखा गया है. ऐसी स्थिति होनी चाहिए जहां आप इधर-उधर की बातें न कर सकें'.

'लिटिल मास्टर' सुनील गावस्कर ने आगे कहा, 'आपको पूरी ईमानदारी से कहना चाहिए कि 'देखो, तुम्हारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, इसलिए तुम्हें टीम से बाहर किया जा रहा है.' जब आप 'आराम' के बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो खिलाड़ियों के दिमाग में गलत विचार आते हैं. उन्हें लगता है कि उन्हें अपने खेल को बेहतर बनाने की जरूरत नहीं है'.

## मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई फैंस ने अश्लीलता की सारी हदें की पार

**मेलबर्न, एजेंसी।** मेलबर्न टेस्ट में दो दिनों का खेल चुका है. पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा था और दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद भी मैच पर ऑस्ट्रेलिया ने ही शिकंजा कस रखा है. मेलबर्न टेस्ट को देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस पहुंच रहे हैं. पहले दिन जहां विराट कोहली और सैम कॉन्सटस के बीच की नोकझोंक चर्चा में रही तो वहीं दूसरे दिन कॉन्सटस का क्राउड के साथ ताली बजाना चर्चा में रहा.

इसी बीच एक और घटना ने फैंस का ध्यान खींच लिया. दरअसल लाइव मैच में स्टेडियम में कॉन्डम बैलून उड़ता हुआ नजर आया. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जा रहा है. मैच के दूसरे दिन शुक्रवार, 27 दिसंबर को अचानक से स्टेडियम में एक कॉन्डम बैलून उड़ता हुआ दिखा.

फैंस की इस हरकत ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. लोगों ने लाइव मैच छोड़कर अपना ध्यान इस तरफ लगा लिया. उड़ते हुए कॉन्डम बैलून का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

अक्सर ही क्रिकेट मैच के दौरान दर्शकों का जोश हाई होता है. फैंस कभी विकेट गिरने पर बेहद उत्साहित नजर आते हैं तो कभी बाउंड्री लगने पर जश्न मनाते हैं.

## विश्व चैंपियन मुक्केबाज पॉल बाम्बा का 35 साल की उम्र में निधन

**नईदिल्ली, एजेंसी।** विश्व चैंपियन मुक्केबाज पॉल बाम्बा का 35 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पॉल बाम्बा पिछले सप्ताहांत न्यू जर्सी में रोजेलियो मेडिना को हराकर डब्ल्यूबीए गोल्ड क्रूजरवेट विश्व चैंपियन बने थे। यह जीत 2024 में नॉकआउट से उनकी 14वीं जीत थी।

इस जीत ने उन्हें दिग्गज हैवीवेट माइक टायसन के बनाए गए रिकॉर्ड (एक कैलेंडर वर्ष में नॉकआउट के जरिये सबसे अधिक 14 जीत) को तोड़ दिया। प्यूर्टो रिको में जन्में अमेरिका में रहने वाले पॉल बॉम्बा ने अपने करियर के दौरान 19-3 का रिकॉर्ड बनाया था। पॉल बाम्बा अमेरिकी पॉप स्टार नेयो के मित्र थे और उनकी प्रबंधन कंपनी के साथ करार करने वाले पहले सेलिब्रिटी थे। पॉल बाम्बा के निधन से अमेरिकी मुक्केबाजी समुदाय को गहरा सदमा लगा है। पॉल बॉम्बा की मृत्यु पर रोजेलियो मेडिना ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

## सीनियर्स वूमेंस वनडे चैलेंजर्स ट्रॉफी के लिये नंदिनी और शिवांगी का चयन

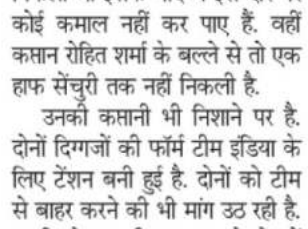

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पांच जनवरी से चैन्नई में आयोजित होने वाली सीनियर्स वूमैंस वनडे चैलेंजर्स ट्राफी के लिये यूटीसीए चंडीगढ़ से दो प्लेयर्स को चुना गया है। नंदिनी शर्मा टीम बी जबकि शिवांगी यादव टीम डी का प्रतिनिधित्व करेंगीं। बीसीसीआई द्वारा किये गये यूटीसीए को एक पत्राचार में बताया गया है कि टूर्नामेंट में पांच टीमों के लिये हाल में डोमेस्टिक सीजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्लेयर्स को चुना गया है। टूर्नामेंट का फाईनल 15 जनवरी को होगा। इस टूर्नामेंट से पूर्व नंदिनी शर्मा पहले भी टी20 चैलेंजर्स ट्रॉफी में टीम ई का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

## पांड्या की वनडे फॉर्मेट में 14 महीने बाद हुई वापसी

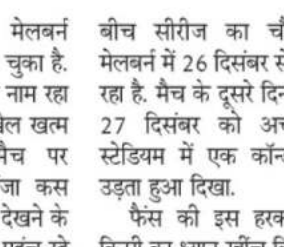

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या कई महीनों से वनडे फॉर्मेट से दूर थे। आखिरकार शनिवार को उन्होंने लंबे समय के बाद वनडे फॉर्मेट में वापसी कर ली है, लेकिन करीब 14 महीने के बाद वनडे फॉर्मेट में खेलने उतरे इस धाकड़ ऑलराउंडर खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी से निराश किया। टीम इंडिया के मौजूदा समय में सबसे भरोसेमंद ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पांड्या वनडे टूर्नामेंट में अपनी घरेलू टीम के लिए उतरे।

भारत की सबसे बड़ी घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में पहली बार खेलने उतरे बड़ौदा के स्टार खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन से निराश किया। और यहां वो सिर्फ 1 रन बनाकर चलते बने और वो वापसी पर फ्लॉप साबित हुए।

14 महीने बाद वनडे में वापसी पर फ्लॉप हुए हार्दिक पांड्या विजय हजारे ट्रॉफी में बड़ौदा और बंगाल के बीच हैदराबाद में मैच खेला जा रहा है। इस मैच में बंगाल ने टॉस जीतकर बड़ौदा को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया।

लेकिन अपनी टीम के लिए 5वें नंबर पर खेलने आए हार्दिक कुछ खास नहीं कर सके और सिर्फ 2 गेंद में 1 रन बनाकर बंगाल के गेंदबाज प्रदीप्ता प्रमाणिक की गेंद पर सुदीप कुमार घरामी को कैच करवा बैठे।

## आपसी कलह के बीच प्रासंगिकता के लिए जूझता रहा भारतीय टेनिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय टीम के लिए बड़े खिलाड़ियों की बेरुखी और संचालन संस्था के अंदरूनी कलह के कारण साल 2024 भारतीय टेनिस काफी हद तक निराशाजनक रहा है। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) और खिलाड़ियों के बीच मतभेद कोई नई बात नहीं है लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी थी और खिलाड़ियों की चिंताओं को दूर करने के प्रयास लगभग नहीं के बराबर दिखे।

टेनिस का स्तर देश में गिरा

इन सब का परिणाम यह हुआ कि देश में इस खेल का स्तर लगातार नीचे की ओर गिरता जा रहा है। एआईटीए अध्यक्ष अनिल जैन पर व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का उपयोग करने का आरोप लगा। उन्होंने इस मामले में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने से इनकार कर दिया लेकिन काफी हाय तौबा के बाद अपना पद छोड़ने के लिए राजी हुए।

साल के आखिर में प्रशासकों की एक नयी टीम ने भारतीय टेनिस को बदलने का वादा करते हुए चुनाव जीता, लेकिन दो पूर्व खिलाड़ियों द्वारा दायर एक रिट याचिका ने उन्हें पदभार संभालने से रोक दिया जिससे उनकी घोषित सुधार प्रक्रिया को शुरू करने में विलंब हो रहा है।

**खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगा:** इन खिलाड़ियों ने एआईटीए के चुनाव में खेल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया। इस मामले की सुनवाई 25 मार्च से पहले नहीं होगी, जिससे पूरी प्रणाली के लिए जरूरी सुधार रुकी हुई है। संक्षेप में 2024 में भारतीय टेनिस के लिए जो कुछ भी गलत हो सकता था, वह गलत हुआ। युकी भांबरी ने बिना कोई कारण बताए सितंबर में स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में भारत के लिए खेलने से इनकार कर दिया।

**एआईटीए से भांबरी की निराशा:** महासंघ के सूत्रों ने बताया कि वह पेरिस ओलंपिक से बाहर किये जाने से निराश थे। पेरिस ओलंपिक के लिए रोहन बोपन्ना ने शीर्ष -10 खिलाड़ी होने के नाते एन श्रीराम बालाजी को अपने युगल साथी के रूप में चुना था। भांबरी इससे पहले जनवरी-फरवरी में डेविस कप कार्यक्रम के लिए सुरक्षा चिंताओं के बावजूद इस्लामाबाद, पाकिस्तान गए थे। एआईटीए से भांबरी की निराशा का एक और कारण 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के लिए उनका नाम नहीं भेजे जाने को लेकर भी है।

कोई ठोस जवाब नहीं दे सका एआईटीए

एआईटीए इस मुद्दे पर उन्हें कोई ठोस जवाब नहीं दे सका। जहां भांबरी निराश थे, वहीं भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल का पाकिस्तान और स्वीडन दोनों के खिलाफ मुकाबले से हटने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला था।

# नालसा स्कीम के तहत विधिक सेवा दल के सदस्यों का हुआ प्रशिक्षण

**पन्ना।** म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार नालसा स्कीम 2024 योजना अंतर्गत बच्चों के लिए गठित विधिक सेवा दल के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गत दिवस संपन्न हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजाराम भारतीय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विधिक सेवा दल के सदस्य प्रशिक्षण उपरांत ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर समाज के अंतिम वर्ग के गरीब व अनभिज्ञ व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की जानकारी तथा निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने के बारे में अवगत कराएं। जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव हरप्रसाद बंशकार ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ ही प्राधिकरण की योजनाओं तथा मौलिक अधिकार व कर्त्तव्य एवं शिक्षा के अधिकार इत्यादि के बारे में अवगत कराया। किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान मजिस्ट्रेट प्रीतम शाह द्वारा किशोर न्याय बोर्ड अधिनियम 2015 के उद्देश्य, कार्य व प्रक्रिया की जानकारी दी गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते ने बच्चों से संबंधित संवैधानिक और अन्य विधिक कानूनों सहित लीगल सर्विस यूनिट ऑफ चिल्ड्रन के सभी सदस्यों को कर्त्तव्यों की जानकारी दी। इसके अलावा चीफ एलएडीसीएस आंनद त्रिपाठी द्वारा सदस्यों को बालकों के विधिक अधिकार तथा विभिन्न कानूनी प्रावधानों जैसे बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम 1986, कारखाना अधिनियम 1948, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों के बारे में तथा पैनल लायर चन्द्रभान पटेल द्वारा बालकों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील अहिरवार, एलएडीसीएस टीम के डिप्टी चीफ करण सिंह सहित पवन पाण्डेय, शशांक चतुर्वेदी, शर्मिला विश्वास, देवीदीन अहिरवार, प्रशांत कुशवाहा, लोकेन्द्र सिंह, नरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।

## पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर 7 दिवस का राष्ट्रीय शोक

**पन्ना।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर 7 दिवस का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। इस दौरान 26 दिसम्बर से 1 जनवरी तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। शासकीय रूप से सांस्कृतिक एवं मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन नहीं होगा। इसके अलावा शासकीय मंचीय कार्यक्रम, स्वागत, भाषण, अतिथियों के माध्यम से हितलाभ वितरण इत्यादि के समारोह भी नहीं होंगे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शिविर इत्यादि का आयोजन किया जा सकेगा।

## भारत पर्व कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

**पन्ना।** शासन के निर्देशानुसार 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस की संध्या पर पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी सभी जिला मुख्यालयों पर भारत पर्व का आयोजन किया जाएगा। लोकतंत्र के लोक उत्सव भारत पर्व में कलाकारों द्वारा लोक रूचि के गायन, वादन और नर्तन आदि की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

# ग्राम पंचायत भुलगंवा में भारी भ्रष्टाचार

## सरपंच, सचिव, उपयंत्री नें किया व्यापक फर्जीवाड़ा

**पन्ना।** पन्ना जिले की ग्राम पंचायतो में शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत निर्माण कार्य कराने के लिए भारी भरकम राशि दी जाती है, लेकिन उक्त राशि से निर्माण कार्य न हो कर संबंधित राशि में भ्रष्टाचार तथा फर्जीवाड़ा लगातार किया जा रहा है, इसी प्रकार का मामला गुनौर जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत भुलगंवा का प्रकाश मे आया है, जिसमें ग्राम पंचायत भुलगंवा के अन्तर्गत ग्राम भमरहा मे 20 लाख की लागत से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क अंब सरंचना योजना से सीसी सड़क का कार्य स्वीकृत किया गया था, जिसके लिए बीस लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी, उक्त सड़क सुरेन्द्र सेन के घर से खिलईया चौधरी के घर तक बनाई जानी थी, जो 25 जनवरी 2024 को स्वीकृत हुई थी, सड़क निर्माण कार्य अभी तक अधुरा पड़ा हुआ है, तथा जो भी कार्य कराया गया है उसमें व्याप्क स्तर पर भ्रष्टाचार किया गया है, तथा सरपंच, सचिव, उपयंत्री द्वारा मनमाने ढंग से मटेरियल के दाम दर्शाकर भ्रष्टाचार किया है। निर्माण कार्य के लिए केवल एक ही दुकान से समान खरीदा गया, जिसमें में निर्माण ट्रेडर्स देवेन्द्र नगर रोड सलेहा के बिल बाउचर लगाये गये है, सीमेंट के दाम बजार में 330 से लेकर 350 रूपये निर्धारित है लेकिन उक्त ग्राम पंचायत द्वारा सीमेंट के दाम 370 रूपये दर्शाये गये है, इसी प्रकार गिट्टी, रेत, तथा मजदूरी मे भी व्याप्क स्तर पर फर्जीवाड़ा किया गया है। यह तो एक मात्र एक निर्माण कार्य का उदाहरण दिया गया है। उक्त ग्राम पंचायत में हुए अनेको निर्माण कार्यो मे इसी प्रकार का फर्जीवाड़ा किया गया है। तथा निर्माण टेडर्स के नाम से लाखो के बिल बाउचर लगाकर राशि भुगतान की गई है। स्थानीय लोगो ने संबंधित मामले की जांच कराकर कार्यवाही करने की मांग की है।

# किसान को उथली खदान में मिले बीस लाख के हीरे

**पन्ना।** पन्ना जिले की रत्नगर्भा धरती लगातार हीरे उगल रहीं है, उसके बावजूद इस जिले के जन प्रतिनिधि तथा शासन प्रशासन द्वारा लगातार हीरा खदाने बंद कराई जा रहीं है, वन राजस्व विवाद नहीं निपटाया जा रहा है, जिससे उथली हीरा खदानो के लिए जगह लगातार कम होती जा रहीं है, वन विभाग द्वारा चारो तरफ कब्जा कर रखा है तथा हीरा खदाने खोदने के लिए लोगो को प्रतिबंधित किया जा रहा है, आम गरीब मजदूरो को परेशान किया जा रहा है, तथा हीरा निकालने की अनुमति नहीं दी जा रही है, सिर्फ कुछ ही चिन्हित स्थानो पर या फिर निजी खेतो में हीरा खदानो से लोगो द्वारा हीरा खोदाई की जा रही है, जबकी वन विभाग द्वारा चोरी से भारी मात्रा में अनेको स्थानो से हीरे की खोदाई कराई जा रही है, शासन प्रशासन को हीरा धारित जमीन को जंगल विभाग से अलग कर उथली हीरा खदानो के लिए अनुमति दिलाने की दिशा मे पहल करनी चाहीए। क्योकि पन्ना की धरती मे लगातार हीरे निकल रहें है। इस वर्ष 2024 में लगभग 10 करोड़ के हीरे उथली हीरा खदानो से निकले है, जिन्हे निलामी मे रखकर विक्रय किया गया है, इसी प्रकार एक गरीब किसान राम नरेश लोधी को रमखिरिया स्थित हीरा खदान से एक ही दिन मे बीस लाख के हीरे मिले है, जिसमें एक हीरा का वजन 8.30 कैरिट तथा एक छोटा हीरा .94 सेन्ट का मिला है, जिसमें दोनो की कीमत लगभग 20 लाख रूपये आंकी गई है। गरीब किसान एक ही दिन मे मालामाल हो गया है।

## जनसंवाद कार्यक्रम के संबंध में निर्देश

**पन्ना।** कलेक्टर सुरेश कुमार ने योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निर्देशानुसार जिले के समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ एवं जनपद पंचायत सीईओ को नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। बताया गया है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण एवं समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर होने एवं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ-साथ म.प्र. को विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से विकसित मध्यप्रदेश/2047 विजन डाक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। इसमें नागरिकों की आकांक्षाओं, विचारों और प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों एवं उद्योगों से जुड़े लोगों तथा अन्य नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नगरीय निकाय और ग्राम पंचायतों में आगामी 3 जनवरी तक अनिवार्य रूप से जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

# जिला कांग्रेस कमेटी नें पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह को दी भावभीनी श्रद्धाजंलि

**पन्ना।** कांग्रेस पार्टी के वरिष्ट नेता पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री जिन्होने देश को आर्थिक संकट से बाहर निकाला मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में दुःखद निधन हो गया। उन्होने बीति रात्रि दिल्ली स्थित अस्पताल में अंतिम सांस ली। मनमोहन सिंह सरल, सज्जन तथा अच्छे इंसान थे, उन्होने दस वर्ष तक देश के प्रधानमंत्री पद की गरिमा को बनाये रखते हुए देश को आंगे बढाया तथा 1991-92 में जब देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहा राव की सरकार थी उस समय देश आर्थिक संकट से गुजर रहा था उस समय उन्होने अर्थ व्यवस्था को मजबूत किया, उनकी बुद्धिमित्ता, सहनशीलता, विनम्रता, दूरदर्शिता और समर्पण को सदा याद रखा जायेगा। ऐसे प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय मनमोहन सिंह को पन्ना जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निमार्णाधीन कांग्रेस कार्यालय के सामने भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवजीत सिंह, पूर्व विधायक श्रीकांत दूबे, वरिष्ट कांग्रेस नेता राम किशोर मिश्रा, राजेश तिवारी, मार्तडदेव बुन्देला, अक्षय तिवारी, डॉक्टर कदीर खान, राज बहादुर पटेल, भूपेन्द्र सिंह, जगत पाल सिंह, रेहान मोहम्मद, वैभव थापक, सरदार यादव, सौरभ पटैरिया, रियासत खान, अनीश खान, जीतेन्द्र जाटव, दीपक तिवारी, रामबहोरी लोधी, नरेन्द्र विश्वकर्मा, जयराम यादव, अमित शर्मा, बृजेन्द्र यादव सहित भारी संख्या में कांग्रेस पार्टी के लोग उपस्थित रहें।

## किसान के मोबाइल नंबर से ही बुक होंगे स्लॉट

**पन्ना।** वर्तमान में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था संचालित की जा रही है। इस संबंध में समस्त कृषकों को सूचित किया गया है कि ई-उपार्जन पोर्टल में पंजीकृत किसानों के मोबाइल नंबर पर ओटीपी के माध्यम से ही धान विक्रय के लिए किसान स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था है। अधिकारियों की लॉगिन से किसानों की स्लॉट बुकिंग की सुविधा पोर्टल में उपलब्ध नहीं है।

जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र खोबरिया ने बताया कि किसान स्वयं अपने मोबाइल से अथवा एमपी ऑनलाइन एवं कियोस्क सेन्टर के माध्यम से ई-उपार्जन पोर्टल में मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर अपनी सुविधा अनुसार खरीदी केन्द्रों में स्लॉट बुकिंग करा सकते हैं।

# मप्र जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू किये जाने की स्वीकृति

**पन्ना**

मंत्रि-परिषद द्वारा आज मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू किये जाने की स्वीकृति दी गई है। महा-रजिस्ट्रार कार्यालय, भारत सरकार से प्राप्त प्रारूप नियम के अनुरूप मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 1999 की विभिन्न धाराओं में संशोधन किया गया है। मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 के मुख्य बिंदुओं में जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र के डिजिटल रजिस्ट्रीकरण और इलेक्ट्रॉनिक परिदान का उपबंध, रजिस्ट्रीकृत जन्म और मृत्यु का राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय डाटाबेस तैयार करना, दत्तक ग्रहण किये गये, अनाथ, परित्यक्त, सरोगेट बच्चे और एकल माता-पिता या अविवाहित माता से बच्चे के रजिस्ट्रीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाया जाना आदि शामिल है। जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रारंभ की तारीख को या उसके पश्चात् जन्म लेने वाले किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख और स्थान को प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण-पत्र उपयोगी है। किसी आपदा या महामारी में मृत्यु के त्वरित रजिस्ट्रीकरण और प्रमाण पत्र जारी करने के लिये विशेष उप-रजिस्ट्रार की नियुक्ति का उपबंध किया गया है।

किसी जन्म या मृत्यु के 30 दिन के पश्चात् किंतु एक वर्ष के भीतर विलंबित सूचना की दशा में नोटरी या राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी के समक्ष किसी शपथ-पत्र के स्थान पर स्व-अनुप्रमाणित दस्तावेज को प्रस्तुत करने का उपबंध किया गया है। किसी जन्म या मृत्यु के एक वर्ष के पश्चात् रजिस्ट्रार को विलंबित सूचना की दशा में आदेश करने वाले प्राधिकारी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के स्थान पर जिला मजिस्ट्रेट या उपखंड मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्राधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट का उपबंध किया गया है। लोकहित में जन शिकायत निवारण के लिए रजिस्ट्रार/जिला रजिस्ट्रार द्वारा की गई कार्यवाही से व्यथित होने पर अपील का प्रावधान है और उपबंधित शास्तियों में वृद्धि की गई हैं।

## वरिष्ठ पत्रकार सुरेश पाण्डेय के पिता के निधन पर शोक

**पन्ना।** जिले के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश पाण्डेय के पूज्य पिता दादूराम पाण्डेय का विगत दिनों स्वर्गवास हो गया है। 27 दिसंबर 2024 को पन्ना नगर के पत्रकारों ने श्री पाण्डेय के गृह ग्राम रामनई पहुंचकर स्वर्गीय श्री दादूराम मिश्रा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिवार को सांत्वना दी, इस अवसर पर सांत्वना देने पहुंचे पत्रकारों में मनीष मिश्रा, राकेश शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, नदीम उल्ला खान, अनिल तिवारी, संदीप पाण्डेय, शिव किशोर पाण्डेय, अरविंद यादव, टाइगर खान, राजेश रावत, सौरभ साहू एवं संजय सिंह राजपूत सहित कई पत्रकार शामिल रहे।

# 6 लाख क्विंटल से अधिक धान का हुआ उपार्जन

## किसानों को किया गया 24 करोड़ रूपए का भुगतान

**पन्ना।** जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र खोबरिया ने जानकारी देते हुए बताया है कि खरीफ उपार्जन वर्ष 2024-25 अंतर्गत गत 2 दिसम्बर से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य प्रारंभ है। अब तक जिले में 9 हजार 72 किसानों से 6 लाख 12 हजार 910 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इस क्रम में खरीदी केन्द्र से उपार्जित धान को सीधे मिलर्स को प्रदान करने के अलावा परिवहन के माध्यम से गोदामों में भण्डारण तथा गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों में त्वरित भण्डारण भी कराया जा रहा है। किसानों के बैंक खाते में 24 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। गत 24 दिसम्बर को तकनीकी त्रुटि के कारण ई-उपार्जन पोर्टल में किसानों की स्लॉट अवधि में दो दिवस की कमी हो गई थी। आज सुधार उपरांत स्लॉट अवधि भी बढ़ गई है। इसके अलावा 25 दिसम्बर को खरीदी की अंतिम तिथि वाले किसानों को शासकीय अवकाश होने के कारण स्लॉट में धान विक्रय के लिए दो दिवस की वृद्धि की गई है। जिला उपार्जन समिति द्वारा असमय वर्षा इत्यादि के दृष्टिगत उपार्जन नीति के प्रावधानों के तहत परिवहन व भण्डारण को त्वरित रूप से पूर्ण कराने के लिए निर्णय लिया गया है कि अनुबंधित परिवहनकर्ता की दर पर खरीदी केन्द्र संस्था भी जिला प्रबंधक स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन पन्ना को ऑफर लेटर देकर अपने खरीदी केन्द्र की उपार्जित धान का परिवहन कर निर्धारित गोदाम में भण्डारण करा सकते हैं, जिससे त्वरित परिवहन उपरांत गोदामों में सुरक्षित भण्डारण तथा किसानों का त्वरित भुगतान संभव हो सके।

# नवीन आधार केन्द्रों के संचालन के लिए भेजें प्रस्ताव

**पन्ना।** जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के हितग्राहियों को नये आधार कार्ड बनवाने और आधार अपडेट कराने में आने वाली समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से शासकीय संस्था परिसर में नवीन आधार केन्द्र संचालन की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं सचिव ई-गवर्नेंस सोसायटी संघ प्रिय ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ सहित स्वॉन नेटवर्क की सुविधा वाले समस्त विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जिले में आधार केन्द्रों के सुचारू संचालन एवं आधार नामांकन संबंधित गतिविधियों को सुदृढ़ करने के संबंध में जारी निर्देशों के तहत कहा गया है कि पन्ना जिले में वर्तमान में बहुत कम आधार केन्द्र संचालित हैं। इसके मद्देनजर एवं हितग्राहियों की सुविधा के दृष्टिगत स्वॉन इंटरनेट सुविधा एवं आधार केन्द्र के लिए कक्ष की उपलब्धता वाले सरकारी संस्थानों में नवीन आधार केन्द्र संचालित किए जा सकते हैं। पूर्व से आधार केन्द्र संचालन की सुविधा वाले संस्थाओं में नवीन आधार केन्द्र नहीं खोले जाएंगे। केवल शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं वाले कार्यालयों, जिनमें आधार ई-केवायसी व अन्य आधार संबंधी कार्य आवश्यक है, वहां नवीन आधार केन्द्र संचालित किए जा सकेंगे। न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा कम्प्यूटर संचालन में दक्ष आवेदक को आधार ऑपरेटर व सुपरवाईजर बनाया जा सकेगा। आवेदक के पास समस्त वैध दस्तावेज होना आवश्यक है। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले आवेदक को ऑपरेटर अथवा सुपरवाईजर नहीं बनाया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को प्रति केन्द्र के लिए एक नाम का चयन कर आगामी एक जनवरी तक वांछित दस्तावेजों के साथ आवश्यक प्रस्ताव जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी पन्ना में प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। केन्द्र की निगरानी संबंधित विभाग प्रमुख द्वारा की जाएगी। साथ ही आधार केन्द्रों में आने वाली शिकायतों जैसे अनाधिकृत या निर्धारित शुल्क से अधिक राशि प्राप्त करने संबंधी शिकायतों इत्यादि का निराकरण भी संबंधित अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

## कफ सिरप की तस्करी में वांटेड 5 हजार का इनामी गिरफ्तार

**सतना।** नशीले सिरप की तस्करी में फरार चल रहे 5 हजार के इनामी को अंततः कोलगवां पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को पहले ही पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने बताया कि 23 सितंबर 2024 को मुखबिर की सूचना पर बदखर बाइपास में दबिश दी गई, तो बाइक पर दो लोग संदिग्ध हालत में दिखे, मगर घेराबंदी के बीच अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों लोग भाग निकले। तब तलाशी लेने पर मौके से 3 बोरियों में 81 हजार का 450 शीशी नशीला कफ-सिरप और 50 हजार कीमत की बाइक (एमपी 19 एनई 3742) बरामद हो गई थी। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन के आधार पर आरोपी जितेन्द्र उर्फ जिब्बू पुत्र रामकुमार वर्मा 25 वर्ष, निवासी खरवाही थाना अमरपाटन (मैहर), हाल जवान सिंह कॉलोनी, की पहचान करते हुए 12 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी विष्णु उर्फ बिस्सू पुत्र मुन्नालाल लोधी 24 वर्ष, निवासी कृष्ण नगर, थाना कोलगवां, का नाम उगल दिया, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी वह गिरफ्त में नहीं आ रहा था। ऐसे में पुलिस कप्तान आशुतोष गुप्ता ने 5 हजार का इनाम घोषित कर दिया। लगातार प्रयासों के चलते आखिरकार 26 दिसंबर को कृष्णनगर से आरोपी विष्णु लोधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

# यूपी से छग जा रहे कार सवार की सड़क दुर्घटना में मौत

**सतना।** उचेहरा थाना अंतर्गत अकहा के पास सडक़ हादसे में कार सवार की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मनोज कुमार गुप्ता पुत्र जयपाल शिवहरे 44 वर्ष, निवासी बांका-भरहू सुमेरपुर, जिला हमीरपुर (यूपी) लगभग 6 महीने के मेडिकल अवकाश के बाद कार में सवार होकर ड्यूटी के लिए बिलासपुर (छत्तीसगढ़) जा रहे थे।

इस दौरान जब उनकी कार गुरुवार तडक़े स्टेट हाइवे पर अकहा हनुमान मंदिर के पास पहुंची, तभी मोड़ पर अनियंत्रित होकर गांव के प्रवेश द्वार से टकरा गई। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, तो वहीं ड्राइव कर रहे मनोज गुप्ता स्टेयरिंग व सीट के बीच फंस गए।

काफी देर तक किसी को पता नहीं चला, जिससे बुरी तरह घायल मनोज की सांसें थम गईं। काफी देर बाद जब गांव के कुछ लोग सडक़ की तरफ आए, तब उन्हें घटना पता चली, तो फौरन डायल 100 पर सूचित कर दिया।

**स्वास्थ्य कारणों से 6 माह की छुट्टी पर था मृतक**

पुलिस ने बताया कि बैंक में कार्यरत मनोज कुमार का स्वास्थ्य ठीक नहीं था, जिसके कारण वह पिछले 6 माह से मेडिकल अवकाश लेकर घर पर आराम कर रहा था। उपचार के बाद तबियत में सुधार होने पर बुधवार शाम को निजी कार से बिलासपुर के लिए रवाना हुआ, मगर रास्ते में ही सडक़ हादसे का शिकार होकर जान गंवाना पड़ा।

# सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 29 दिसम्बर 2024 | 8


जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं।

## बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में कार्ययोजना अनुसार फ्रंट एरिया डेवलपमेंट कार्य करायें : उप मुख्यमंत्री

### उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के शेष कार्यों को आगामी दस दिवस में पूर्ण करने के दिये निर्देश

**रीवा।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में कार्ययोजना अनुसार फ्रंट एरिया डेवलपमेंट का कार्य करायें। पूर्व से निर्मित गौ शेड, भूसा शेड सहित अन्य सभी भवनों का रंग रोगन व मेंटीनेंस कराते हुए शेष निर्माणाधीन कार्यों को आगामी दस दिवस में अनिवार्यतः पूर्ण करायें। श्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में रात्रि विश्राम के उपरांत प्रातः जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में गौवंश वन्य विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रशासनिक भवन, मंदिर निर्माण, रेस्ट हाउस में किचेन शेड, गार्डरूम तथा गेस्ट हाउस के सामने लान, मंच निर्माण तथा शेष सड़क निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की तथा निर्देश दिये कि सभी कार्य नियत समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जांय। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार में जहां आवश्यक हो वहां पेवर ब्लाक लगाये तथा अतिरिक्त शेड निर्माण का कार्य भी समय सीमा में पूरा कराया जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की प्रदेश में अपनी पहचान है। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान देश के महान मनीषी स्वामी अवधेशानंद गिरिजी, स्वामी रामदेव तथा पूज्य मोरारी बापू भी हेलीकाप्टर से बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आयेंगे तथा संपूर्ण वन्य विहार का भ्रमण करेंगे अतः नियत समय में सभी कार्य पूरे हो जांय और गौवंश वन्य विहार आकर्षक व अप्रतिम दिखे। समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में गौवंश के गोबर व मूत्र से निर्मित सामग्री को विक्रय किये जाने के लिये संबंधित संस्थानों से अनुबंध किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आर्थिक संसाधन हासिल कर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है अतः उत्पाद सामग्री का क्रय कराया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होंने गौवंश वन्य विहार के लिये आवंटित चरनोई भूमि में चारा उत्पादन करने व विक्रय करने का दायित्व एफपीओ के माध्यम से कराने की बात कही ताकि इससे भी आमदनी हो सके। श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में सोलर पैनल लगाकर ऊर्जीकृत करने तथा मृत पशुओं के लिये निष्पादन इकाई लगाये जाने के लिये निर्देशित किया।

## विकासखण्डों में रोजगार मेले का आयोजन आज, जवा में लगेगा रोजगार मेला

**रीवा।** शिक्षित युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार का अवसर देने के लिए जिले के सभी विकासखण्डों में रोजगार मेले लगाए जा रहे हैं। रोजगार मेले विकासखण्ड मुख्यालय में जनपद कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होंगे। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया 29 दिसम्बर को जवा में रोजगार मेला आयोजित किया गया है। इन मेलों में मशीन आपरेटर, स्पिनिंग, गारमेंट स्टिचिंग, हाउस कीपिंग, सुरक्षाकर्मी, सुपरवाइजर जैसे कार्यों के लिए विभिन्न कंपनियों द्वारा योग्य युवाओं का चयन किया जाएगा। आवश्यक होने पर संबंधित कंपनी प्रशिक्षण की भी सुविधा देगी। रोजगार के इच्छुक शिक्षित युवा अपनी जनपद पंचायत कार्यालय में जाकर रोजगार मेले के लिए पंजीयन करा सकते हैं।

## विशेष राजस्व शिविरों में दर्ज किए जा रहे राजस्व प्रकरण

**रीवा।** जिले की सभी तहसीलों में मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना के तहत विशेष राजस्व शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजनता से सीमांकन, अविवादित नामांतरण तथा अन्य राजस्व कार्यों के प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। राजस्व महाभियान में बी-1 के वाचन के बाद प्राप्त फौती नामांतरण के प्रकरण भी शिविरों में दर्ज किए जा रहे हैं। साथ ही किसान सम्मान निधि के प्रकरणों में आधार सीडिंग तथा ई केवाईसी में कमी को इन शिविरों में पूरा कराया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रियाएं भी शिविर में पूरी की जा रही हैं। सभी एसडीएम और तहसीलदार इन शिविरों में शामिल होकर आमजनता के प्रकरणों पर सुनवाई कर रहे हैं। एसडीएम सिरमौर राजेश सिन्हा ने बीड़ा में आयोजित कैंप का निरीक्षण किया। इसी क्रम में नगर परिषद डभौरा, ग्राम खड्डा, ग्राम कोष्टा, ग्राम परसिया, ग्राम देवरा फरेदा, ग्राम बड़ागांव, ग्राम अजगरहा, ग्राम कोटा में राजस्व शिविर आयोजित किये गये। जिनमें राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया।

## जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक मशीनों से होगा नेत्र रोग का उपचार: शुक्ल

**रीवा**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिला चिकित्सालय में सर्वसुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर में अब अत्याधुनिक मशीनों से नेत्र रोगियों का उपचार होगा तथा जटिल नेत्र सर्जरी भी की जायेगी। इस सुविधा के हो जाने से अब नेत्र रोगियों को अत्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। श्री शुक्ल ने कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया तथा ऑपरेशन थियेटर की सुविधाओं का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में नेत्र विभाग के ऑपरेशन थियेटर को 76 लाख रूपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त बनाकर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन ओपीडी तथा चिकित्सालय विस्तार भवन का निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने को निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये। इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. एमएल गुप्ता, नेत्र चिकित्सक डॉ. नेहा तिवारी सहित चिकित्सक व अन्य जन उपस्थित रहे।

## जिले भर में जनकल्याण अभियान के लगाये जा रहे हैं शिविर

**रीवा।** पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाये जा रहे हैं। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाकर उन्हें हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि जनकल्याण अभियान के तहत 29, 30 और 31 दिसंबर को शिविर लगाये जायेंगे। कलेक्टर ने बताया कि अनुभाग रायपुर कर्चुलियान में 29 दिसंबर को ग्राम पंचायत करौंदी तथा हर्दी नम्बर एक, 30 दिसंबर को चौड़ियार और बदवार तथा 31 दिसंबर को बड़ागांव और बघमड़ा में शिविर लगेंगे। अनुभाग हुजूर में 29 दिसंबर को ग्राम पंचायत नौवस्ता और छिजवार, 30 दिसंबर को तिघरा तथा गोड़हर और 31 दिसंबर को जेरूका तथा करहिया नम्बर दो में शिविर लगेंगे।


मध्यप्रदेश के गौरव, वीर योद्धा, स्वतंत्रता सेनानी

# भीमा नायक

के 148वें बलिदान दिवस पर

कृतज्ञ मध्यप्रदेश का शत-शत नमन

मध्यप्रदेश शासन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

## जनजातीय समाज के सशक्तिकरण के लिए समर्पित मध्यप्रदेश

- जनजातीय गौरव के सम्मान में शहीद भीमा नायक के नाम पर रखा गया बड़वानी शासकीय कॉलेज का नाम, बड़वानी के धाबाबावड़ी गांव में भीमा नायक प्रेरणा केंद्र स्थापित।
- छिंदवाड़ा में श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर में राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण। जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल फ्लायओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाने जायेंगे।
- विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन गठित करने का निर्णय।
- तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय ₹ 3000 प्रति बोरा से बढ़ाकर किया ₹4000।
- पीएम जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में ₹ 7 हजार 300 करोड़ से अधिक की लागत से हो रहे अधोसंरचना कार्य। 11 लाख से अधिक भाई-बहन लाभान्वित।
- पीएम जन-मन योजना अन्तर्गत देश में सर्वप्रथम जन-मन कॉलोनी शिवपुरी में बनाकर मध्यप्रदेश योजना में अग्रणी। देश की सबसे पहली जन-मन सड़क बालाघाट जिले में बनकर तैयार।
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 7 हजार 300 से अधिक जनजातीय बहुल ग्रामों में बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और कौशल विकास के हो रहे काम।
- जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' 11,377 गांवों में क्रियान्वित।

आकल्पन : ज.प्र. माध्यम/2024

D-11139/24



स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833